वर्ष : 17 ❖ अंक : 04 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 04 अगस्त 2022

नये सिरे से किए जा रहे हैं शिवसेना को खत्म करने के प्रयास : उद्धव 3

यूपी में हर परिवार से एक सदस्य को रोजगार देगी सरकार : योगी 8

हर घर तिरंगा अभियान देश के प्रति प्रेम दिखाने का अवसर : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 अगस्त । आजादी की 75वीं वर्षगांठ समारोह के अंतर्गत आज सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने स्थानीय मनन केंद्र में राज्य संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थिति के अलावा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा राई भी मौजूद रहीं।

इस अवसर पर सिक्किम विधानसभा के अध्यक्ष एलबी दास, कैबिनेट मंत्री, विधायक, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, गंगटोक नगर निगम के मेयर एवं उप-मेयर के अलावा सलाहकार व चेयरपर्सन, मुख्यमंत्री के प्रेस सचिव, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, विभागों के सचिव, सभी जिलों के जिला कलेक्टर, गंगटोक के एसपी एवं अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री गोले द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान की औपचारिक शुरुआत के बाद संस्कृति विभाग द्वारा आजादी की लड़ाई एवं उससे जुड़े विभिन्न विषयों पर आधारित एक लघु वीडियो भी प्रदर्शित की गयी। वहीं आईपीआर विभाग द्वारा भी राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाने के महत्व दर्शाते हुए एक वीडियो दिखाया गया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री गोले ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर पूरे राष्ट्र में हर घर तिरंगा अभियान मनाये जाने की जानकारी देते हुए इसे अपने देश के प्रति प्रेम एवं जज्बा दिखाने का एक अवसर बताया। उन्होंने सभी से इस अभियान में शामिल होने का आग्रह किया। वहीं अपने वक्तव्य में मुख्यमंत्री ने देश के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत में सभी को प्रदत्त समानता, आजादी एवं सुरक्षा के लिए हरेक नागरिक को आभारी होना चाहिये। उन्होंने आगे कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ का सम्मान करते हुए इसकी शत-वार्षिकी मनाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिये। इस अवसर पर उन्होंने स्वाधीनता संग्राम में अपना बलिदान देने वाले महान क्रांतिकारियों को याद किया।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि भारतीय गणराज्य के 22वें राज्य के तौर पर सिक्किम कई अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से सटा हुआ है। इससे इसका महत्व काफी बढ़ जाता है। ऐसे में यह स्वाधीनता दिवस समारोह हमारे लिये इस देश के हिस्से के तौर पर अपनी राष्ट्रीय पहचान एवं आभार प्रदर्शित करने का अवसर है। साथ ही उन्होंने इस वर्ष राज्यस्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह के नामची के भाइचुंग स्टेडियम में आयोजित होने की जानकारी दी।

कार्यक्रम में राज्य के संस्कृति मंत्री साम्दुप लेप्चा ने हर घर तिरंगा अभियान के कार्यान्वयन हेतु राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह अभियान हरेक नागरिक को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने हेतु प्रेरित करेगा। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज की निर्धारित लंबाई और चौड़ाई का भी जिक्र करते हुए उसे सीधा फहराने को कहा।

वहीं इस अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा 31 जुलाई को आयोजित की गयी देशभक्ति गीत प्रतियोगिता के विजेता यादोप अधिकारी ने अपनी कविता सुनाई। वहीं प्रतियोगिता के एक अन्य विजेता कमल दहाल ने भी यहां अपनी गीत की प्रस्तुति दी। इसके अलावा कार्यक्रम में विभिन्न नृत्य-संगीत के साथ सांस्कृतिक आयोजन भी हुआ। वहीं इस दौरान विभिन्न खोजपरक कार्यों के लिये तीन कलाकारों को सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक आयोजन में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को नकद राशि से सम्मानित किया। कार्यक्रम में संस्कृति विभाग द्वारा एक फोटो प्रदर्शनी भी लगायी गयी। संस्कृति सचिव कर्मा आर बोनपो ने स्वागत भाषण और धन्यवाद ज्ञापन अतिरिक्त सचिव श्रीमती सेवांग डोमा भूटिया ने दिया।

मंत्री भूटिया ने मुगुथांग घाटी में फहराया तिरंगा

अनुगामिनी का.सं.

मंगन, 03 अगस्त । आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में वन और पर्यावरण मंत्री कर्मा लोडे भूटिया ने एक अगस्त को मुगुथांग घाटी में 15,000 फीट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। यह दिन बौद्ध समुदाय के लिए काफी शुभ माना जाता है क्योंकि इसी दिन ड्रुक्पा छेसी भी था। माना जाता है कि इसी दिन भगवान बुद्ध ने अपने ज्ञान के बाद अपना पहला उपदेश दिया था।

राज्य के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण था क्योंकि कर्मा लोडे भूटिया मुगुथांग घाटी में राष्ट्रीय ध्वज फहराने वाले पहले मंत्री हैं। उनके साथ उनकी पत्नी श्रीमती चोकपा इथेनपा, डीएफओ (टी) मंगन, एसीएफ (टी) मंगन, आरओ (टी) लाचेन आदि भी थे।

इसमें गंगटोक के बाइकर्स ने भी हिस्सा लिया। मंत्री को मुगुथांग में तैनात आईटीबीपी के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया।

कृषि मंत्री लोकनाथ शर्मा ने किया एफआईबीएल का दौरा

आईपीआर

स्विट्जरलैंड, 03 अगस्त । सिक्किम के कृषि मंत्री लोकनाथ शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने स्विट्जरलैंड के जैविक कृषि शोध संस्थान (एफआईबीएल) का दौरा किया। सिक्किमी प्रतिनिधिमंडल में राज्य के कृषि सचिव रिंजिंग सी. भूटिया, एसओएफडीए सीईओ डॉ. एस अनबालागन, एसएसओसीए सीईओ सुधीर गिरी, सिम्फेड के एमडी के अलावा कृषि विभाग के अन्य अधिकारी शामिल हैं।

यहां पहुंचने पर इस प्रतिनिधिमंडल का एफआईबीएल निदेशक द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वहीं उन्होंने प्रस्तुति के माध्यम से उन्हें विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसी बीच सिक्किमी मंत्री ने एफआईबीएल के दौरे पर पहुंचे कर्नाटक और उत्तराखंड राज्यों के कृषि मंत्रियों से भी मुलाकात की।

वहीं इस अवसर पर मंत्री शर्मा ने विश्व के अग्रणी जैविक कृषि संस्थान जैविक कृषि शोध संस्थान, स्विट्जरलैंड की यात्रा से अपने सीखे अनुभवों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के नेतृत्व में सिक्किम के प्रसंस्कृत कृषि परिदृश्य तथा जैविक कृषि के क्षेत्र में एफआईबीएल द्वारा सिक्किम के साथ सहयोग की इच्छा जताये जाने के बारे में जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि एफआईबीएल अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका तथा पूर्वी यूरोप में वहां के स्थानीय संगठनों के सहयोग से कृषि विकास के विभिन्न कार्यों में सक्रिय है।

यंग ब्वॉयज फुटबॉल क्लब की जीत

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 03 अगस्त । जिले के क्योंग्सा खेल मैदान में आज से शुरू हुए 76वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसके उद्घाटन अवसर पर विधानसभा के उपाध्यक्ष सांगे लेप्चा मुख्य अतिथि थे। उनके अलावा उद्घाटन समारोह में जिलापाल यस्से डी योंग्दा, आयोजन समिति के अध्यक्ष जनक गुरूंग, गेजिंग पुलिस अधीक्षक हरि छेत्री, नगर परिषद सदस्य, विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, कर्मचारी एवं काफी संख्या में आमलोग मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि ने सांगे लेप्चा ने औपचारिक रुप से प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांगे लेप्चा ने कहा कि स्वाधीनता की 75वीं वर्षगांठ के इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी। यांगथांग स्पोर्टिंग क्लब द्वारा आयोजित जिलास्तरीय इस खेल प्रतियोगिता में विभिन्न स्थानों की कुल 13 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसकी विजेता टीम को 3 लाख और उप-विजेता टीम को 2 लाख की नकद राशि एवं ट्रॉफियां प्रदान की जायेंगी। प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गये मैच में यंग ब्वॉयज फुटबॉल क्लब ने सुनखरी समाज टीम को पराजित कर अगले चरण में जगह बनायी।

एमबीबीएस कर रहे राज्य के छात्रों से सीएम ने की मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 अगस्त । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज सिक्किम मणिपाल संस्थान में एमबीबीएस कर रहे सिक्किम के छात्रों से मिंटोकगांग स्थित अपने सरकारी आवास पर मुलाकात की।

इस अवसर पर उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया और उनके प्रयासों के लिए आवश्यक समर्थन दिया। उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य और जीवन में सफलता की कामना की। उनसे 20 छात्रों ने मुलाकात की।

ग्रामीण खेलकूद एवं साहित्यिक कार्यक्रम सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गेजिंग, 03 अगस्त । जिले के लिंग्चोम-तिक्जेक प्रशासनिक इकाई द्वारा गत 1 एवं 2 अगस्त को दो दिवसीय ग्रामीण खेलकूद एवं साहित्यिक कार्यक्रम 2022 का आयोजन किया गया। तिक्जेक स्कूल के खेल मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं की खोज एवं उन्हें खेलों के प्रति जागरूक होते हुए उसके माध्यम से बेहतर जिंदगी जीने हेतु प्रोत्साहित करना था। इसके उद्घाटन अवसर पर 9-यांगथांग-तिक्जेक क्षेत्रीय समष्टि की जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सनमती लिम्बू मुख्य अतिथि एवं उप शिक्षा निदेशक राजेश थापा, सामाजिक कार्यकर्ता केबी सुब्बा एवं अन्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्रीमती लिम्बू ने युवाओं से सकारात्मक मनोभावों के साथ पढ़ाई के साथ ही खेलकूद में सक्रियता से भाग लेकर मानसिक एवं शारीरिक रूप से मजबूत बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पहले दिन विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं जैसे अंडर 14 मेंस फुटबॉल, लड़के-लड़कियों की 100 मीटर दौड़, चित्रकारी, निबंध एवं कविता के अलावा अन्य का आयोजन किया गया। वहीं इसके समापन समारोह में एसआईडीआईसीओ चेयरमैन जनक गुरूंग मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। उनके अलावा गेजिंग बीडीओ बिजय कुमार सुब्बा, संस्कृति एवं विरासत विभाग के ओएसडी एसपी मांगयुंग, उप शिक्षा निदेशक राजेश थापा, ऊर्जा विभाग के एसई जेपी सुब्बा, गेजिंग डीआईओ कृष्णा लिम्बू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सनमती लिम्बू, खेल विभाग की उप निदेशक सुश्री निकजय ल्हामू भूटिया के साथ ही स्कूल के प्रधान शिक्षक, शिक्षक एवं अन्य लोग भी मौजूद रहे।

यहां मुख्य अतिथि ने लोगों से अपनी समग्र जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए अपने बच्चों को अच्छी देकर एक योग्य नागरिक बनाने का आग्रह किया जिससे कि आगे जाकर वे समाज एवं देश की सेवा कर सकें। इसके साथ ही उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 13 से 15 अगस्त तक सभी से अपने घरों में तिरंगा ध्वज फहराने का आग्रह भी किया।

इससे पहले लिंगचोम-तिक्जेक पंचायत अध्यक्ष फुलमन लिम्बू ने अपने स्वागत भाषण में ग्रामीण इकाई को अल्कोहल एवं प्लास्टिक मुक्त करने की दिशा में मिल कर कार्य करने के साथ ही खेलकूद को पेशेवर रुप में लेकर उसमें अपना करियर बनाने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन विभिन्न क्लबों एवं एसएचजी द्वारा नृत्य प्रस्तुति के साथ ही लिंगचोम गवर्नमेंट एसएसएस द्वारा वाद-विवाद प्रतियोगिता, अंडर 14 पुरूष फुटबॉल प्रतियोगिता, वूमंस ओपन फुटबॉल प्रतियोगिता एवं अन्य खेलों का आयोजन हुआ। बाद में इनके विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

सड़क सुरक्षा पर जागरुकता कार्यक्रम

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 03 अगस्त । सड़क सुरक्षा माह के एक हिस्से के तौर पर आज नामची कांफ्रेंस सभागार में पहले एवं दूसरे दिन का जिलास्तरीय जागरुकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें बारफुंग, पोकलोक, कामरांग, नामची सिंगीथांग, टुमेन लिंगी के विभिन्न बूथ स्तरीय अधिकारियों के साथ ही एडीसी डेवलपमेंट रांबांग्ला, एसडीएम राबांग्ला, बीडीओ नामची, बीडीओ राबांग्ला, एमईओ नामची एवं जिला के अन्य अधिकारी शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान नामची मोटर वाहन अधिकारी सड़क सुरक्षा मापदंडों तथा इसके महत्व के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। साथ ही उन्होंने राज्य में गुड समार्टियन योजना, इसके कार्यान्वयन, मोटर वाहन कानून से सम्बंधित विभिन्न नियमों तथा कानूनों पर भी जोर दिया।

वहीं एसडीएम नामची अनन्त जैन ने भी सिक्किम में सड़क सुरक्षा पर प्रस्तुति देते हुए इस क्षेत्र में जागरुकता हेतु सरकारी योजनाओं, नियम-कानूनों, स्कूली वाहनों से सम्बंधित सावधानियों, साइन बोर्ड एवं अन्य पहलों पर जोर दिया। इस दौरान सभी बीएलओ से घर-घर अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा पर जागरूकता फैलाने का आग्रह किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव पर चिकित्सा शिविर

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 03 अगस्त । आजादी का अमृत महोत्सव के एक हिस्से के तौर पर एसएसबी की 72वीं बटालियन द्वारा अपने सामाजिक कार्यकलापों के अंतर्गत आज रिम्बिक सामुदायिक केंद्र में एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों के साथ ही उनके मवेशियों की भी निःशुल्क जांच करने के साथ ही चिकित्सा परामर्श दिये गये।

शिविर में 72वीं बटालियन के कमांडेंट एसके उपाध्याय की उपस्थिति में बल के कमांडेंट एवं पशु चिकित्सक डॉ. एचके सिंह तथा कमांडेंट एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. समरज्योति सैकिया ने शिविर का संचालन किया। वहीं इस दौरान गेजिंग एससीएस, एसडीएम (मुख्यालय) गोपाल के छेत्री और गेजिंग बीडीओ बिजय सुब्बा विशेष आमंत्रित अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान रिम्बिक गवर्नमेंट सेकेण्डरी स्कूल के सहयोग से स्कूल परिसर में पौधारोपण किया गया। इसमें शामिल होकर एसएसबी अधिकारियों, जवानों एवं अतिथियों ने करीब 50 पौधे लगाये।

एसएसबी के उक्त कार्यक्रम के अलावा इस अवसर पर रिम्बिक स्कूल के खेल मैदान में स्वाधीनता दिवस समारोह का उद्घाटन भी हुआ जिसमें स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम के चेयरमैन डीबी गुरुंग मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। वहीं इस दौरान एसएमसी सदस्य, शिक्षक, विद्यार्थी, पंचायत सदस्यगण एवं ग्रामीणों के अलावा विभिन्न टीमों के खिलाड़ी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति जागरुकता लाने की दिशा में पंचायत सदस्यों, स्कूली विद्यार्थियों, प्राथमिक स्वास्थ्य उप-केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा ग्रामीणों खासकर 75 वर्ष से अधिक वृद्धों को एसएसबी 72वीं बटालियन द्वारा करीब 200 राष्ट्रीय ध्वजों का वितरण किया गया। एसएसबी 72वीं बटालियन के डिप्टी कमांडेंट (शेष पृष्ठ ०३ पर)

मुफ्त बांटने की राजनीति रही तो अर्थव्यवस्था ढह जाएगी, केंद्र सरकार की सुप्रीम कोर्ट में दलील

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। केंद्र सरकार ने चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त उपहार दिये जाने की घोषणाओं की प्रथा के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका का पूर्ण समर्थन करते हुए बुधवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि मुफ्त उपहारों का वितरण (देश को) निस्संदेह 'भविष्य की आर्थिक आपदा' की राह पर धकेलता है।

प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष केंद्र सरकार का ताजा रुख इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे पहले उसने मुफ्त उपहार के मुद्दे से चुनाव आयोग द्वारा निपटे जाने पर जोर दिया था। हालांकि, आयोग ने 26 जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान सरकार पर जिम्मेदारी डाल दी थी।

पीठ ने बुधवार को केंद्र, नीति आयोग, वित्त आयोग और भारतीय रिजर्व बैंक सहित सभी हितधारकों से चुनावों के दौरान मुफ्त में दिए जाने वाले उपहारों के मुद्दे पर विचार करने और इससे निपटने के लिए रचनात्मक सुझाव देने को कहा। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार जनहित याचिका का समर्थन करती है।

मेहता ने कहा, इस तरह के लोकलुभावन वादों का मतदाताओं पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

इस तरह के मुफ्त उपहारों का वितरण निस्संदेह न केवल भविष्य में आर्थिक आपदा का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि मतदाता भी अपने मताधिकारों का इस्तेमाल विवेकपूर्ण निर्णय के लिए नहीं कर पाते हैं।''

मेहता ने कहा कि एक आम आदमी इस तरह के मुफ्त उपहारों को स्वीकार करते हुए कभी महसूस नहीं करेगा कि 'उसकी दाहिनी जेब को जो कुछ मिल रहा है उसे बाद में उसकी बाईं जेब से निकाल लिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को न केवल लोकतंत्र की रक्षा के लिए, बल्कि देश के आर्थिक अस्तित्व की रक्षा के लिए भी मुफ्त उपहार संस्कृति को फलने-फूलने से रोकना चाहिए।

हालांकि, आयोग के वकील ने कहा कि शीर्ष अदालत के फैसले इस पर बाध्यकारी हैं और इसलिए वह मुफ्त उपहार के मुद्दे पर कार्रवाई नहीं कर सकता है। शीर्ष अदालत ने वकील अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका की आगे की सुनवाई के लिए बृहस्पतिवार की तारीख मुकर्रर की और कहा कि सभी हितधारकों को इस मुद्दे पर सोचना चाहिए और सुझाव देना चाहिए, ताकि यह 'गंभीर' मामले से निपटने के लिए एक निकाय का गठन कर सके।

केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है केंद्र सरकार : खड़गे

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। राज्यसभा में पिछले दो सप्ताह से भी अधिक समय से चले आ रहे हंगामे के बाद मानसून सत्र में बुधवार को पहली बार शून्यकाल की कार्यवाही सुचारू ढंग से चली और सदस्यों ने इस दौरान जनहित तथा देशहित से जुड़े सवाल पूछे तथा मुद्दों को उठाया।

सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विभिन्न मुद्दों को लेकर पैदा हुए गतिरोध के कारण पिछले 12 दिनों में एक दिन भी शून्यकाल की कार्यवाही नहीं हो सकी थी और हंगामे के कारण हर रोज कार्यवाही स्थगित करनी पड़ रही थी।

बुधवार को भी विपक्ष के अनेक सदस्यों ने नियम 267 के तहत कार्यस्थगन के प्रस्ताव का नोटिस देकर सरकारी एजेन्सियों के दुरुपयोग तथा अन्य मुद्दों को उठाने की कोशिश की लेकिन सभापति ने कहा कि उन्होंने इन नोटिसों को स्वीकार नहीं किया है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को केंद्र सरकार पर राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया और इस मुद्दे पर नियम 267 के तहत तत्काल चर्चा कराने की मांग की।

सभापति एम वेंकैया नायडू ने इस संबंध में खड़गे के नोटिस को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह और राघव चड्ढा की ओर से नियम 267 के तहत विभिन्न मुद्दों पर दिए गए नोटिस को भी अस्वीकार कर दिया।

उन्होंने कहा कि यह ऐसे मुद्दे हैं, जिनके लिए सदन का कामकाज स्थगित नहीं किया जा सकता। हालांकि, उन्होंने खड़गे और चतुर्वेदी को अपनी बात रखने का मौका दिया।

खड़गे ने कहा कि उन्होंने नियम 267 के तहत जो नोटिस दिया वह बहुत महत्वपूर्ण है और उस पर सदन में चर्चा की अनुमति दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी स्वायत्त संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है और मौजूदा सत्तारूढ़ सरकार राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बैरभाव से यह कर रही है। अभियान चलाकर राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मीडिया और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को गिराने के लिए इन एजेंसियों का उपयोग किया जा रहा है।

खड़गे ने इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की लेकिन सभापति ने इसे अस्वीकार कर दिया।

चतुर्वेदी ने कहा कि राज्यसभा राज्यों की परिषद है और ईडी ने सदन के एक वर्तमान सदस्य और उनकी पार्टी के नेता को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि नियमों के मुताबिक ईडी को इसकी पूर्व सूचना सभापति को देनी चाहिए थी लेकिन ऐसा ना करके उन्होंने सभापति की संवैधानिक स्थिति को कमजोर किया है।

इसके बाद राज्यसभा में शून्यकाल सामान्य रूप से चला और सदस्यों ने इसके तहत अपने अपने मुद्दे उठाए।

इससे पहले, उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति नायडू ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने सदन को सूचित किया कि उन्होंने शून्यकाल के लिए और विशेष उल्लेख के लिए दिए गए नोटिस स्वीकार कर लिए हैं।

मोदी सरकार ईडी को औजार बनाकर विपक्षी पार्टियों को नेस्तनाबूत करना चाहती है : अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्षी दलों को प्रताड़ित करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का दुरुपयोग कर रही है। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने यह दावा भी किया कि यह जांच एजेंसी विपक्षी दलों को बर्बाद करने के लिए भाजपा सरकार का औजार बन चुकी है। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की है जब ईडी ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े कई स्थानों पर छापेमारी की थी। इस विषय को लेकर कांग्रेस सदस्यों ने बुधवार को लोकसभा में भारी हंगामा किया।

चौधरी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, सत्ताधारी दल हमें ईडी का विषय सदन में नहीं उठाने दे रहा है। सरकार इस बात से क्यों डरी हुई है कि हम संसद में अपनी बात रखें। उन्होंने आरोप लगाया, आज आजादी की लड़ाई की आवाज रहे नेशनल हेराल्ड की छवि खराब करने का प्रयास हो रहा है। ईडी का दुरुपयोग किया जा रहा है और हमारे खिलाफ साजिश रची गई है। चौधरी ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को प्रताड़ित किया जा रहा है और राज्यों में विपक्ष की सरकारों को ईडी का दुरुपयोग करके अस्थिर किया जा रहा है।

अधीर रंजन ने कहा कि भाजपा ने कभी तिरंगा को माना नहीं था। भाजपा आज़ादी के बाद तिरंगा के खिलाफ थी और यह लोग आज तिरंगा सामने रखकर हिंदुस्तान के आम लोगों को गुमराह कर रहे हैं। हिंदुस्तान के लोग जानते हैं तिरंगा मतलब गांधी। इतिहास गवाह है कि आज़ादी की लड़ाई में भाजपा की क्या भुमिका रही है।

उन्होंने कहा कि जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, रफी अहमद किदवई आदि ने मिलकर नेशनल हेराल्ड की शुरुआत की थी जिससे भारत के लोगों को आज़ादी की जंग में शामिल कर सकें।

आज इसे और कांग्रेस की छवी को धूमिल करने के लिए जांच एजेंसी ईडी का दुरूपयोग किया जा रहा है। हमारे ख़िलाफ़ ही नहीं देश के हर विपक्षी पार्टी के ख़िलाफ़ ईडी का इस्तेमाल सरकारों को अस्थिर करने में हो रहा है। आज ईडी सरकार का औज़ार बन गई है जिससे वह विपक्षी पार्टियों को नेस्तनाबूत करना चाहती है। (नरेंद्र) मोदी चाहते हैं कि देश विपक्ष मुक्त हो जाए।

चुनाव पूर्व घोषणाओं पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए : केजरीवाल

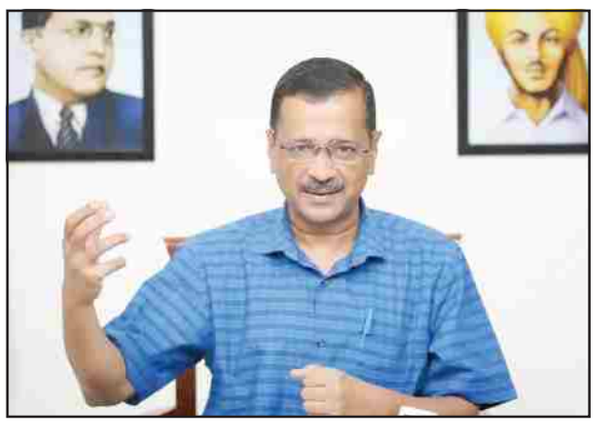

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि सरकारी खजाने से मित्रों'' को करोड़ों रुपये देने से आर्थिक संकट पैदा होगा, न कि लोगों को मुफ्त सुविधाएं प्रदान करने से। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव पूर्व घोषणाओं पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र, नीति आयोग, वित्त आयोग और भारतीय रिजर्व बैंक सहित सभी हितधारकों से चुनावों के दौरान मुफ्त में दिए जाने वाले उपहारों के मुद्दे पर विचार करने और इससे निपटने के लिए रचनात्मक सुझाव देने को कहा है। न्यायालय की इस टिप्पणी के बाद केजरीवाल का बयान सामने आया है।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमण और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त में उपहार देने के मुद्दे को गंभीर'' करार दिया और संकेत दिया कि वह इस मुद्दे से निपटने के लिए सरकार को उपाय सुझाने के लिए एक निकाय स्थापित करने का आदेश देगा।

केंद्र ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के माध्यम से मामले में अपने नए रुख से पीठ को अवगत कराया और जनहित याचिका का पूर्ण समर्थन करते हुए कहा कि मुफ्त उपहारों का वितरण (देश को) निस्संदेह 'भविष्य की आर्थिक आपदा' की राह पर धकेलता है।

उच्चतम न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केजरीवाल ने कई ट्वीट कर कहा, जनता को मुफ़्त सुविधाएं देने से आर्थिक संकट नहीं आयेगा। दोस्तों को लाखों करोड़ों रुपए का फ्री का फायदा देने से आर्थिक संकट आएगा।''

उन्होंने पूछा, चुनाव से पहले घोषणाओं पर रोक? क्यों? घोषणाओं से आर्थिक संकट कैसे आयेगा? इनका निशाना कही और है।'' केजरीवाल ने कहा, चुनावों के दौरान घोषणाओं पर रोक नहीं होनी चाहिए और लोगों से इस बात पर विचार करने का आह्वान किया कि क्या सरकारें बच्चों को अच्छी शिक्षा और लोगों को मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान करें या देश के बैंकों को 'लूटने' वालों के ऋण की अदायगी को माफ करें।''

उन्होंने कहा, 'हमारे बच्चों को मुफ्त/अच्छी शिक्षा मिले या नहीं, हर भारतीय को मुफ्त में अच्छा इलाज मिले या बैंक लूटने वालों का बकाया कर्ज माफ किया जाए- देश को इस पर विचार करना चाहिए।' हालांकि, केजरीवाल ने निजी कंपनियों को कर्ज माफी के साथ-साथ 'मुफ्त या सस्ती' सुविधाएं देने का समर्थन किया।

गन्ना किसानों के लिए अच्छी खबर, सरकार ने 305 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गन्ने का भाव

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। गन्ना किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक बड़ा उठाते हुए केंद्र सरकार ने बुधवार को गन्ने का भाव 305 रुपये प्रति क्विंटल (एफआरपी) तय किया। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को अक्टूबर 2022 से शुरू होने वाले अगले खरीद वर्ष के लिए गन्ने का भाव 15 रुपये बढ़ाकर 305 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। कैबिनेट बैठक में गन्ने की एफआरपी यानी उचित व लाभकारी मूल्य बढ़ाने पर फैसला लिया गया।

एफआरपी वह न्यूनतम रेट होता है जिस पर चीनी मिलों को किसानों से गन्ना खरीदना होता है। सरकार गन्ना (नियंत्रण) आदेश, 1966 के तहत एफआरपी तय करती है। एफआरपी में 15 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि का कैबिनेट नोट पहले ही जारी कर दिया गया था।

पहले गन्ने का भाव (एफआरपी) 290 रुपये प्रति क्विंटल था जो अब बढ़ाकर 305 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। सरकार ने पिछले आठ वर्षों में एफआरपी में 34 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है। इससे देश भर में 5 करोड़ गन्ना किसानों के साथ-साथ चीनी मिलों में कार्यरत 5 लाख श्रमिकों को लाभ होगा।

गन्ना पेराई का मौसम आम तौर पर अक्टूबर-नवंबर में शुरू होता है और अप्रैल के मध्य तक जारी रहता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, गन्ने का भाव बढ़ाने के साथ ही केंद्र ने अतिरिक्त 12 लाख टन (एमटी) चीनी निर्यात की अनुमति दी है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि सितंबर 2022 को समाप्त होने वाले मौजूदा सीजन में अनुमानित घरेलू उत्पादन से अधिक उत्पादन हुआ है। हालांकि इस पर अभी सरकार के नोटिफिकेशन का इंतजार है।

पीएम मोदी आज श्रीमद राजचंद्र मिशन की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को गुजरात के वलसाड जिले के धर्मपुर स्थित श्रीमद राजचंद्र मिशन की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ ने बताया कि प्रधानमंत्री शाम 4:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से धर्मपुर में श्रीमद राजचंद्र अस्पताल का उद्घाटन करेंगे, जिसकी परियोजना लागत लगभग 200 करोड़ रुपए है।

पीएमओ के मुतबिक यह अत्याधुनिक चिकित्सा बुनियादी ढांचे के साथ 250 बिस्तरों वाला मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल है, जो विशेष रूप से दक्षिणी गुजरात क्षेत्र के लोगों को विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करेगा। इसके बाद प्रधानमंत्री श्रीमद राजचंद्र पशु चिकित्सालय की आधारशिला रखेंगे। पीएमओ ने बताया कि 150 बिस्तरों वाले अस्पताल को लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया जायेगा। इस अस्पताल में शीर्ष श्रेणी की सुविधाएं एवं पशु चिकित्सकों और सहायक कर्मचारियों की एक समर्पित टीम मौजूद होगी।

अस्पताल पशुओं की देखभाल और रखरखाव के लिए पारंपरिक चिकित्सा के साथ-साथ समग्र चिकित्सा देखभाल प्रदान करेगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्रीमद राजचंद्र सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वूमेन' की आधारशिला भी रखेंगे। पीएमओ के मुताबिक इसका निर्माण 40 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया जाएगा और इसमें मनोरंजन के लिए सुविधाएं, आत्म-विकास सत्रों के लिए कक्षाएं, विश्राम क्षेत्र आदि की व्यवस्था होगी। पीएमओ ने बताया यह 700 से अधिक आदिवासी महिलाओं को रोजगार देगा और बाद में हजारों अन्य लोगों को भी आजीविका प्रदान करेगा।

ममता बनर्जी के मंत्रिमंडल में बड़ा बदलाव, बाबुल सुप्रियो समेत 9 कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली

कोलकाता, 03 अगस्त (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मंत्रिपरिषद में हुए व्यापक फेरबदल के तहत बुधवार को बाबुल सुप्रियो समेत नौ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। राजभवन में राज्यपाल ला गणेशन ने सुप्रियो के अलावा स्नेहाशीष चक्रवर्ती, पार्थ भौमिक, उदयन गुहा और प्रदीप मजूमदार को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलायी। मंत्रिपरिषद विस्तार को लेकर आयोजित कार्यक्रम में आदिवासी नेता बीरबाहा हांसदा और बिप्लब रॉय ने राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के तौर पर शपथ ली।

वहीं, तजमुल हुसैन और सत्यजीत बर्मन ने राज्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राज्य मंत्री पद पर रहीं हांसदा को पदोन्नत करते हुए राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। मंत्रियों को विभागों की घोषणा बाद में की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री बनर्जी के अलावा कैबिनेट मंत्री भी मौजूद रहे। पिछले साल तीसरी बार राज्य की सत्ता में आने के बाद मंत्रिपरिषद में पहला फेरबदल ऐसे समय में किया गया, जब स्कूल भर्ती घोटाला मामले में पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी के बाद पार्टी संकट का सामना कर रही है।

मुख्यमंत्री बनर्जी ने सोमवार को पार्टी में व्यापक फेरबदल किया था। उन्होंने कहा था कि मंत्रिपरिषद में चार-पांच नये चेहरों को शामिल किया जाएगा जबकि इतने ही मंत्रियों को पार्टी संगठन में भेजा जाएगा।

तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, मंत्रिपरिषद में आठ नए चेहरों को शामिल करने और चार अन्य को हटाए जाने की संभावना के मद्देनजर 2011 में राज्य में पहली बार पार्टी के सत्ता में आने के बाद से यह सबसे बड़ा फेरबदल है। फेरबदल में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की छाप साफ दिखी क्योंकि शपथ लेने वालों में से ज्यादातर उनके करीबी माने जाते हैं।

सुप्रियो वर्तमान में कोलकाता के बालीगंज विधानसभा सीट से विधायक हैं। तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने से पहले सुप्रियो भाजपा नीत केंद्र सरकार में मंत्री रहे थे।

सुप्रियो के तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने में अभिषेक बनर्जी की अहम भूमिका रही थी। सुप्रियो ने कहा, पिछले साल अगस्त में मैंने (भाजपा) छोड़ी थी और आज मुझे पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री बनाया गया है। मैं पश्चिम बंगाल के लोगों के विकास के लिए कड़ा परिश्रम करूंगा।''

दिल्ली हाईकोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी आसिया अंद्राबी की याचिका पर एनआईए से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को कश्मीरी अलगाववादी और कट्टरपंथी समूह दुख्तारान-ए-मिल्लत प्रमुख आसिया अंद्राबी द्वारा श्रीनगर में उनके घर की जब्ती के खिलाफ दायर एक याचिका पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जवाब मांगा है।

इस मामले में नोटिस जारी करते हुए जस्टिस मुक्ता गुप्ता और अनीश दयाल की खंडपीठ ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए 28 सितंबर की तारीख तय की है।

अपनी याचिका में अंद्राबी ने कहा, 'अपील में बैठे विशेष न्यायाधीश की यह व्याख्या कि सदन में साक्षात्कार देना आतंकवाद के एक कृत्य के समान होगा, पूरी तरह से योग्यता से रहित है। यह अपीलकर्ता ने साक्षात्कार के लिए अपने घर पर मीडियाकर्मियों को नहीं बुलाया था, बल्कि मीडियाकर्मी ही उनके घर इंटरव्यू लेने गए थे.. इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि अपीलकर्ता अपने घर का इस्तेमाल आतंकवाद फैलाने के लिए कर रही थी।'

अदालत ने अंद्राबी की कथित सहयोगी सोफी फहमीदा की कार को जब्त करने के खिलाफ इसी तरह की एक अन्य याचिका पर भी जांच एजेंसी से जवाब मांगा है।

एजेंसी ने असिया अंद्राबी के सहयोगी सोफी फहमीदा की क्रेटा कार जब्त की थी।

अधिकारियों के अनुसार, 'जब्त की गई अचल संपत्तियों में अंद्राबी की सास महमूदा बेगम के घर सहित पांच घर शामिल हैं।'

आसिया अंद्राबी के नेतृत्व में पाकिस्तान प्रायोजित महिला कट्टरपंथी समूह दुखतारान-ए-मिल्लत (डीईएम) पर उसके सहयोगी सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन पर आतंकवाद और देशद्रोह का आरोप लगाया गया था। अंद्राबी को कथित तौर पर पाकिस्तान के समर्थन से आतंकी कृत्यों को अंजाम देने और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रची गई थी।

उन पर अपनी दो अन्य महिला सहयोगियों के साथ भारत की संप्रभुता और अखंडता को गंभीर रूप से अस्थिर करने की साजिश और कृत्यों में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। तीनों को 2018 में गिरफ्तार किया गया था।

अंद्राबी के पति आशिक हुसैन फकटू को दिसंबर 1992 में मानवाधिकार कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता, हृदय नाथ वांचू की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

नये सिरे से किए जा रहे हैं शिवसेना को खत्म करने के प्रयास : उद्धव

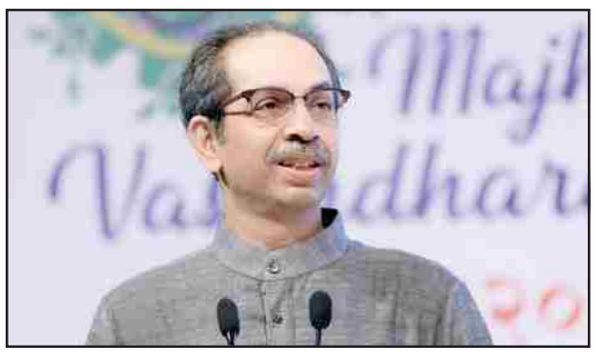

मुंबई, 03 जुलाई (एजेन्सी)। शिवसेना के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी को पहले भी विभाजित करने के प्रयास किये गये थे, लेकिन इस बार नये सिरे से पार्टी को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

उद्धव ठाकरे ने यहां अपने आवास मातोश्री में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

दरअसल, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले एक धड़े ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख किया था।

उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र में हालिया राजनीतिक संकट के मद्देनजर शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट द्वारा दायर याचिकाओं में उठाये गये कुछ संवैधानिक सवालों को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे-नीत प्रतिद्वंद्वी गुट से बुधवार को नये सिरे से जवाब दाखिल करने को कहा।

उद्धव ठाकरे ने कहा, पहले, शिवसेना को विभाजित करने के प्रयास किए गए थे लेकिन अब पार्टी को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है।

ठाकरे स्पष्ट रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा की उन टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे, जिसमें नड्डा ने कहा था कि आने वाले समय में केवल भाजपा जैसी विचारधारा से प्रेरित राजनीतिक दल ही बचेंगे, जबकि परिवारों द्वारा शासित अन्य दल तबाह हो जाएंगे।

ठाकरे ने यह भी आरोप लगाया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा शिवसेना सांसद संजय राउत के आवास पर रविवार को की गई तलाशी पार्टी को खत्म करने की एक साजिश का हिस्सा थी।

ईडी ने नेशनल हेराल्ड बिल्डिंग में यंग इंडिया का कार्यालय किया सील

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में बुधवार को बहादुरशाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस की इमारत में स्थित यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय को सील कर दिया। ईडी ने हेराल्ड हाउस की इमारत पर भी एक आदेश चस्पा किया है।

ईडी के आदेश में कहा गया है, 'यह घोषित किया जाता है कि यह परिसर प्रवर्तन निदेशालय की पूर्व अनुमति के बिना नहीं खोला जाएगा।'

अधिकारी ने कहा, 'हमने ऐसा इसलिए किया है, ताकि सबूतों के साथ छेड़छाड़ न हो। हमने हेराल्ड के अधिकारियों को हमारी सहायता के लिए बुलाया था लेकिन वरिष्ठ व्यक्ति सहयोग नहीं कर रहे हैं और तलाशी में सहायता के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। अब हमारे पास कार्यालय सील करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचा है।'

ईडी ने मंगलवार को हेराल्ड कार्यालय में तलाशी अभियान चलाया था। दिन भर चली यह तलाश सुबह शुरू हुई और देर रात तक चलती रही।

हाल ही में ईडी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी से कई दिनों तक पूछताछ की थी।

छापेमारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार और केंद्रीय जांच एजेंसी की आलोचना करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया।

'हेराल्ड हाउस, बहादुर शाह जफर मार्ग पर छापे भारत के प्रमुख विपक्षी 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' के खिलाफ जारी हमले का एक हिस्सा हैं। हम मोदी सरकार के खिलाफ बोलने वालों के खिलाफ इस प्रतिशोध की राजनीति की कड़ी निंदा करते हैं। आप हमें चुप नहीं करा सकते।' फिलहाल ईडी ने इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

'मुफ्त रेवड़ी' पर सुप्रीम कोर्ट बोला, अर्थव्यवस्था को हो रहा बड़ा नुकसान, कपिल सिब्बल से भी मांगा सुझाव

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। चुनाव से पहले किए जाने वाले मुफ्त योजनाओं के वादों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अहम टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चुनाव प्रचार के दौरान 'मुफ्त रेवड़ी' बांटने के वादे एक गंभीर आर्थिक समस्या है। इस समस्या से निपटने के लिए एक संस्था की जरूरत है। सप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर चुनाव आयोग और सरकार के साथ कांग्रेस नेता और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल से भी सुझाव मांगे हैं।

चीफ जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस कृष्ण मुरारी और हिमा कोहली की बेंच ने कहा कि नीति आयोग, वित्त कमीशन, सत्ताधारी और विपक्षा पार्टियों, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया और अन्य संस्थाओं को भी इस मामले में सुझाव देने चाहिए कि आखिर इस 'रेवड़ी कल्चर' को कैसे रोका जा सकता है। बेंच ने कहा, अच्छे सुझाव के लिए जरूरी है कि जो लोग इस कल्चर का समर्थन करते हैं वे और विरोध करने वाले लोग, दोनों ही सुझाव दें।

सुप्रीम कोर्ट ने एक एक्सपर्ट बॉडी बनाने के लिए सात दिनों के अंदर सुझाव मांगे हैं। कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग के साथ ही कांग्रेस के राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल और याचिकाकर्ताओं से कहा है कि वे जल्द अपने सुझाव दें ताकि इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए एक एक्सपर्ट बॉडी बनाई जा सके।

केंद्र सरकार की तरफ से कोर्ट में पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुफ्त की योजनाओं के चुनावी वादों के खिलाफ दायर याचिकाओं का समर्थन किया और कहा कि इससे अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान हो रहा है। लोगों को रिझाने वाले ये वादे न सिर्फ वोटर्स को प्रभावित करते हैं बल्कि अर्थव्यवस्था को भी बुरी तरह प्रभावित करते हैं।

सीजेआई एनवी रमना ने कहा, मैं किसी एक पार्टी का नाम नहीं लेना चाहता। सभी दल मुफ्त की योजनाओं का वादा करके फायदा उठाते हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें मांग की गई है कि मुफ्त रेवड़ी का वादा करने वाली राजनीतिक पार्टियों का निशान सीज कर दिया जाए और उन पार्टियों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया जाए।

पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने बढ़ाई ईडी हिरासत की अवधि

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। कोलकाता की एक विशेष अदालत ने शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हिरासत की अवधि को दो दिन और बढ़ा दिया है। जिसके बाद अब दोनों पांच अगस्त तक ईडी की हिरासत में रहेंगे। बुधवार को कोर्ट में पेशी के दौरान ईडी के वकीलों ने दोनों की हिरासत अवधि को बढ़ाने की मांग की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट के पेशी के दौरान ईडी के वकीलों ने पार्थ चटर्जी की चार दिन और अर्पिता की तीन दिन कि हिरासत की मांग की थी। दूसरी ओर से विपक्षी वकीलों ने इसका विरोध किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने दोनों को 5 अगस्त तक ईडी की हिरासत में भेजने का निर्देश दिया। करोड़ों रुपये के कथित शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने चटर्जी और मुखर्जी को 23 जुलाई को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद कोर्ट ने 10 दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया था। आज हिरासत की अवधि समाप्त हो रही थी।

चटर्जी गिरफ्तारी के समय पश्चिम बंगाल के उद्योग मंत्री थे, जबकि कथित घोटाले के समय राज्य के शिक्षामंत्री थे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गिरफ्तारी के बाद चटर्जी को अपने मंत्रिमंडल से हटा दिया था। सोमवार को ईडी के एक अधिकारी ने कहा था कि पार्थ चटर्जी पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि चटर्जी ने कथित स्कूल भर्ती घोटाले की जांच के संबंध में ईडी के ज्यादातर सवालों का जवाब नहीं दिया है।

ईडी अधिकारी के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस से निलंबित किए गए नेता चटर्जी पूछताछ के दौरान ज्यादातर वक्त चुप रहे। चटर्जी ने शुक्रवार को कहा था कि वह साजिश का शिकार हुए हैं। उन्होंने खुद को निलंबित करने के टीएमसी के फैसले पर नाखुशी भी जताई थी। ईडी के अधिकारी ने कहा आगे कहा था कि चर्टजी अक्सर थकावट की शिकायत करते हैं और हमारे सवालों के जवाब देने से बच रहे हैं। हमने चटर्जी से उनके दावों के बारे में पूछा था कि छापे में बरामद नकदी उनकी नहीं है। हम इस धन के स्रोत के बारे में पता लगा रहे हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट की फटकार से भी नहीं रुकी कांग्रेस, बार विवाद में भी स्मृति ईरानी को घेरा

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। सिली सोल्स कैफे एंड बार मामले में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर कांग्रेस का हमला जारी है। बुधवार को पार्टी ने जीएसटी नंबर को लेकर एक बार फिर ईरानी पर सवाल उठाए हैं। साथ ही इस बार गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से भी बयान जारी करने की मांग की गई है। खास बात है कि इस मामले में उच्च न्यायालय भी कांग्रेस नेताओं को फटकार लगा चुका है।

कांग्रेस ने आरोप लगाए हैं कि एटॉल फूड एंड बेवरेजेस को दिया गया नंबर विवादों में घिरे हुए बार जैसा ही है। कांग्रेस के प्रवक्ता गिरीश चूड़ांकर ने कहा, 'इस बात में कोई शक नहीं है कि स्मृति ईरानी... और उनका परिवार सिली सोल्स कैफे और बार चलाता है... वह यहां कुछ नहीं छिपा सकती हैं, यह एक ओपन एंड शट केस है। उन्हें झूठ बोलने की आदत है।'

उन्होंने आरोप लगाए कि सिली सोल्स में वहीं एड्रेस दर्ज है, जो एटॉल फूड एंड बेवरेजेस का है, जिसका संचालन ईरानी के पति करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी को मिला नंबर भी सिली सोल्स से मिलता जुलता है।

चूड़ांकर ने ईरानी को आदतन झूठ बोलने वाला बताया है। उन्होंने इसके लिए भाजपा नेता की योग्यता से जुड़े मुद्दे का जिक्र किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि साल 2019 में लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करते वक्त ईरानी ने जानकारी दी थी कि उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से 1994 में बी कॉम पार्ट 1 किया है। उन्होंने जानकारी दी कि 2004 में दिल्ली के चांदनी चौक में जमा किए गए हलफनामे में उन्होंने 1996 में डीयू स्कूल ऑफ करसपॉन्डेंस से बीए करने का दावा किया।

दरअसल, यह विवाद तब शुरू हुआ, जब पाया गया कि सिली सोल्स के मालिकों ने मरे हुए व्यक्ति के नाम पर रेस्त्रां में शराब का लाइसेंस रिन्यू करा लिया। इसके चलते कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। जब कांग्रेस नेताओं ने अवैध बार चलाने के आरोप लगाए, तो मामले में ईरानी और उनकी 18 वर्षीय बेटी जोइश का नाम भी सामने आया। हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने इसे लेकर कोर्ट में मानहानि का मुकदमा भी दायर किया था।

सोमवार को ही दिल्ली हाईकोर्ट ने जयराम रमेश, पवन खेड़ा और नेत डीसूजा इस मामले में किए गए ट्वीट डिलीट करने के निर्देश दिए थे। साथ ही चेतावनी भी दी थी कि 24 घंटों में ट्वीट डिलीट नहीं करने ट्विटर उन्हें हटा देगा।

देश को गिरवी रख रही है सरकार : राकेश टिकैत

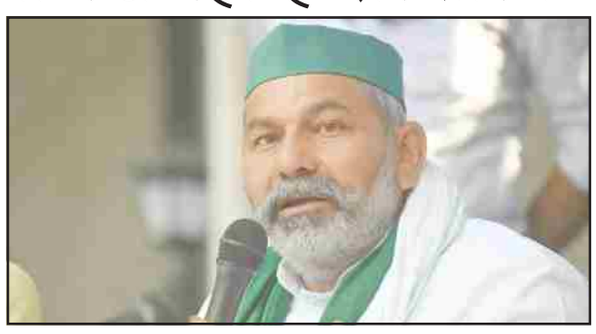

'आंदोलन के लिए ट्रैक्टर तैयार कर लें किसान'

बागपत, 03 अगस्त (एजेन्सी)। दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के भूमि अधिग्रहण मुआवजे को लेकर टीकरी-सूजती मार्ग पर चल रहे धरने पर बुधवार को महापंचायत हुई। महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन के लिए किसान ट्रैक्टर तैयार कर लें। सात अगस्त से अग्निपथ योजना के विरोध में आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस आंदोलन से भर्ती में शामिल होने वाले युवा दूर रहें, क्योंकि वे फोटो में भी आ गए तो सरकार उन्हें भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर देगी।

राकेश टिकैत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश को मजदूर बनाना चाहती है। केंद्र की मोदी सरकार ने 22 जनवरी 2021 से किसी भी संगठन से बात नहीं की है, क्योंकि अब सरकार की मनमानी चल रही है।

जो आरएसएस अपने कार्यालयों पर तिरंगा नहीं लगाती थी, वही अब गांव-गांव में शाखाएं लगा रही है। इनसे अपने बच्चों को दूर रखें। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों को अपनी जमीनें दिखाए और उन्हें किसीन आंदोलन से जोड़े, ताकि संगठन को मजबूत बनाया जा सके।

राकेश टिकैत ने किसानों से कहा कि कॉरिडोर निर्माण के लिए अधिकारी जब मिट्टी डलवाने आएंगे तभी अधिकारियों पर असली दबाव बनाया जाएगा। किसानों का हक मरने नहीं दिया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में फुटबाल टूर्नामेंट शुरू

अनुगामिनी का.सं.

मंगन, 03 अगस्त । 76वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह आज लाचेन-मंगन निर्वाचन क्षेत्र के तहत लाचुंग खेल के मैदान में फुटबॉल प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ।

आजादी का अमृत महोत्सव के बैनर तले राष्ट्र की आजादी के 75 गौरवशाली वर्षों को चिह्नित करने के लिए, टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि मंत्री सह क्षेत्र विधायक साम्दुप लेप्चा ने भाग लिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष निम छिरिंग लेप्चा, एचसीएम के एपीएस छिरिंग वांग्याल भूटिया, एडीसी चुंगथांग, पिपोन, जिला अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति, छात्र और आम जनता भी उपस्थित थे।

प्रवेश द्वार पर पहुंचने पर समिति के सदस्य, गणमान्य व्यक्ति और विशाल सभाओं के बीच मुख्य अतिथि का पूरे सम्मान और गरिमा के साथ स्वागत किया गया। दिन के कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर तथा पारंपरिक खादा चढ़ाकर किया गया।

मुख्य अतिथि मंत्री साम्दुप लेप्चा ने अपने संबोधन में जनता और समिति के सदस्यों को 76वें स्वतंत्रता दिवस की मेजबानी के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इसके बाद उन्होंने सभी से इस राष्ट्रीय अभियान और राष्ट्रीय उत्सव को सफल बनाने के लिए सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

अपने निर्वाचन क्षेत्र के दौरे के दौरान, मंत्री सह क्षेत्र विधायक श्री साम्दुप लेख्चा ने जनता से मुलाकात की और लाचुंग के बीचू में नवनिर्मित एसजीएवाई आवासों के उद्घाटन समारोह के बाद लाभार्थी के घर की चाबियां सौंपी। इसके बाद मंत्री ने लाचुंग दजुमसा के पिपनों के लिए नवनिर्मित कार्यालय का भी उद्घाटन किया।

आजादी का अमृत .....

राजेश कुमार सिंह ने यहां उपस्थित लोगों के समक्ष राष्ट्रीय ध्वज से सम्बंधित नियमों एवं हाल ही में इसमें हुए बदलावों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने सभी स्कूली विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों से आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आग्रह किया। बाद में कार्यक्रम के दौरान स्वाधीनता दिवस समारोह के अंतर्गत फुटबॉल प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ।

महंगाई को लेकर आप ने साधा निर्मला सीतारमण पर निशाना, कहा- सरकार को सबकुछ अच्छा लग रहा है

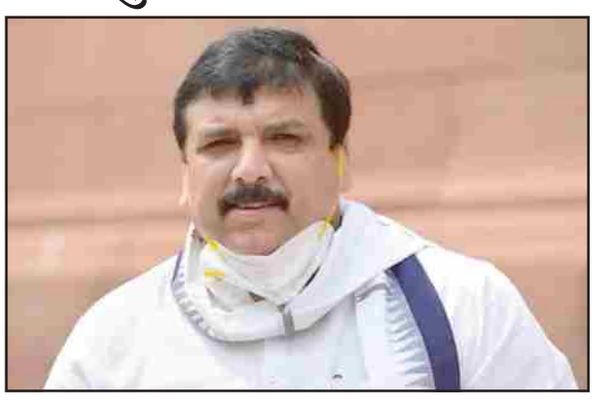

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर मूल्यवृद्धि के मुद्दे पर बुधवार को निशाना साधा और कहा कि उन्हें सब कुछ अच्छा-अच्छा'' प्रतीत होता है, लेकिन आम लोगों से पूछा जाना चाहिए कि क्या वास्तव में ऐसा है। आप ने कहा कि वित्त मंत्री को पता होगा कि महंगाई के मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में अपने जवाब से वह क्या साबित करना चाह रही थीं, लेकिन आम लोगों को महंगाई का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

आप के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने वित्त मंत्री के जवाब पर एक संवाददाता सम्मेलन में सवालों का जवाब देते हुए कहा, उन्होंने (वित्तमंत्री) यह स्वीकार नहीं किया कि भारतीय रुपये का मूल्य (डॉलर के मुकाबले) गिर रहा है। उन्होंने यह स्वीकार नहीं किया कि खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ गए हैं। उन्हें सब कुछ अच्छा-अच्छा लगता है।'' उन्होंने कहा, 'आम लोगों से पूछें कि क्या उनके जीवन में सब कुछ अच्छा है।'

सिंह ने कहा कि अच्छे दिन'' केवल भाजपा के सभी नेताओं और पार्टी के मंत्री पद वाले लोगों के लिए आये हैं, लेकिन आम लोग अब भी अपने जीवन में ऐसे दिन देखने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, क्या अच्छे दिन मजदूरों, ऑटो-रिक्शा चालकों और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के जीवन में आये हैं?'' प्याज की कीमतों में 2019 में वृद्धि के मुद्दे पर सीतारमण की प्रतिक्रिया का उल्लेख करते हुए आप नेता ने आरोप लगाया, वह महान हैं। जब प्याज की कीमत बढ़ीं, तो उन्होंने कहा कि वह प्याज नहीं खाती हैं।''

सिंह ने कहा, वह कीमतों में वृद्धि कैसे देखेंगी? आप उनसे पूछेंगे कि दूध की कीमत कैसे बढ़ी और वह जवाब देंगी कि वह दूध नहीं पीती हैं। आप उनसे गेहूं, दाल, चावल की कीमतों में वृद्धि के बारे में पूछेंगे और वह कहेंगी कि वह गाजर और मूली खाकर जी रही हैं।''

मंगलवार को राज्यसभा में मूल्यवृद्धि पर एक चर्चा का जवाब देते हुए, वित्त मंत्री ने मुद्रास्फीति से निपटने के लिए अपने कदमों का पुरजोर बचाव किया था। उन्होंने मौजूदा कीमतों की तुलना संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के सत्ता से बाहर होने से छह महीने पहले की दरों से की और कहा कि जीएसटी व्यवस्था में परिवारों पर कर के बोझ में वृद्धि नहीं हुई है। दैनिक जरूरत की चीजों की कीमतों में वृद्धि पर विपक्ष के निशाना साधने के बीच, सीतारमण ने टमाटर, प्याज और आलू की मौजूदा कीमत की तुलना नवंबर 2013 की दरों से की और कहा कि दरें स्थिर हैं।

वित्त मंत्री ने सोमवार को लोकसभा में स्वीकार किया था कि देश मुद्रास्फीति के दबाव का सामना कर रहा है, लेकिन कहा था कि केंद्र सरकार ने कोविड-19 और ओमीक्रोन जैसी दिक्कतों के बावजूद इसे सात प्रतिशत से नीचे रखने में सफल रहा है। उन्होंने मूल्यवृद्धि पर चर्चा का जवाब देते हुए निचले सदन में कहा था कि खुदरा मुद्रास्फीति को सात प्रतिशत से नीचे लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR TORSA MORNING

WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:88 DrawDate on:03/08/22
1st Prize ₹1 Crore/- 55B 11527
(Including Super Prize Nos)

Cons. Prize ₹1000/- 11527 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
01123 02320 29470 38063 40472 52123 55867 64708 85724 94440
3rd Prize ₹450/-
1064 2247 3776 6272 7771 7875 8083 8240 8352 9313
4th Prize ₹250/-
0372 0726 1347 1374 2808 3209 3450 6695 9307 9953
5th Prize ₹120/-
0017 0021 0072 0100 0179 0395 0608 0794 0858 0867
0996 1086 1211 1398 1544 1635 1672 1851 2034 2213
2220 2308 2341 2595 2913 3126 3263 3270 3500 3600
3602 3615 3660 3728 3770 3801 3914 3926 4002 4082
4115 4198 4257 4282 4450 4472 4493 4537 4573 4694
4782 4793 4910 4959 5066 5102 5110 5120 5144 5239
5270 5310 5714 5881 6028 6207 6225 6500 6619 6827
6878 7014 7021 7049 7068 7140 7180 7234 7286 7310
7660 7693 7740 8071 8118 8124 8261 8571 8678 8859
8865 8924 9016 9173 9253 9447 9501 9524 9740 9747

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR MERCURY WEDNESDAY

WEEKLY LOTTERY
Draw No:88 DrawDate on:03/08/22
1st Prize ₹1 Crore/- 85K 48365
(Including Super Prize Nos)

Cons. Prize ₹1000/- 48365 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
03836 24684 29372 55623 62030 77412 89580 92299 92614 97669
3rd Prize ₹450/-
0929 2024 2188 2230 2369 7456 7811 8070 8734 9236
4th Prize ₹250/-
1818 1923 2193 2696 2850 6667 6989 7621 9488 9601
5th Prize ₹120/-
0107 0218 0298 0628 0700 0771 0959 1033 1221 1228
1277 1388 1548 1586 1691 1789 1805 1879 1903 1918
2034 2163 2229 2298 2394 2406 2424 2456 2532 2676
2776 2863 3052 3074 3078 3371 3396 3739 3822 3886
4077 4136 4203 4418 4495 4524 4530 4647 4789 4936
4968 4981 5006 5200 5257 5279 5495 5584 5602 5690
5725 5866 6151 6163 6178 6247 6255 6267 6642 6699
6757 6827 6872 6920 7058 7216 7341 7395 7571 7672
7742 7843 7896 7982 8219 8534 8583 8657 8672 8900
9111 9159 9395 9399 9526 9742 9847 9873 9899 9971

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR EAGLE EVENING

WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:188 DrawDate on:03/08/22
1st Prize ₹1 Crore/- 54D 81165
(Including Super Prize Nos)

Cons. Prize ₹1000/- 81165 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
05288 19493 25467 43343 43888 47803 55087 59026 80603 88804
3rd Prize ₹450/-
0426 0656 0941 2528 3919 4021 4657 5092 6215 8580
4th Prize ₹250/-
0429 1651 3742 5342 6323 6352 6945 6978 8127 9275
5th Prize ₹120/-
0043 0108 0131 0255 0551 0989 0991 1083 1167 1185
1278 1292 1359 1695 1974 2148 2205 2247 2341 2348
2511 2548 2719 2764 2883 2993 3163 3178 3299 3327
3357 3493 3496 3558 3576 3611 3629 3653 3839 4352
4395 4488 4610 4623 4723 4749 4755 4776 4863 5143
5165 5191 5496 5689 5923 5991 6097 6249 6292 6319
6336 6340 6379 6413 6451 6462 6534 6585 6801 7053
7137 7178 7250 7279 7329 7331 7347 7408 7433 7436
7480 7621 7689 8084 8244 8370 8506 8829 8923 8949
8977 9042 9054 9350 9375 9463 9595 9657 9820 9977

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

नहीं आएगी मंदी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बिल्कुल सही कहा है कि भारत के आर्थिक मंदी में फंसने या स्टैगफ्लेशन (सुस्त ग्रोथ और ऊंची महंगाई दर) का खतरा नहीं है। उन्होंने महंगाई पर लोकसभा में बहस के दौरान सोमवार को यह बात कही। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक और घरेलू चुनौतियों के बावजूद दुनिया के बड़े देशों में भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार सबसे तेज रहेगी। निर्मला ने जिन वैश्विक चुनौतियों का जिक्र किया, उनमें जीडीपी ग्रोथ में कमी, यूक्रेन युद्ध, बेकाबू महंगाई जैसी बातें शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने इसी वजह से पिछले हफ्ते 2022 में वैश्विक ग्रोथ के अनुमान को इसी साल अप्रैल के पिछले अनुमान से 0.4 फीसदी घटाकर 3.2 फीसदी कर दिया। उसने कहा कि अमेरिका की ग्रोथ 2.6 फीसदी रह सकती है, जबकि चीन की 3.2 फीसदी। ये दोनों दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी हैं, इसलिए इनमें सुस्ती आने से वैश्विक ग्रोथ पर बुरा असर पड़ेगा। यूं तो आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2023 में भारत की ग्रोथ के अनुमान को 8.2 फीसदी से घटाकर 7.4 फीसदी कर दिया, फिर भी यह दूसरे बड़े देशों की तुलना में कहीं तेज ग्रोथ है। वित्त वर्ष 2024 में भी आईएमएफ को भारत की ग्रोथ 6.1 फीसदी रहने की उम्मीद है, जब वैश्विक ग्रोथ कहीं कम होगी। यानी भारत पर मंदी की आंच नहीं आने जा रही, लेकिन उसके सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं। पहली, विकसित देशों की तरह भारत भी महंगाई दर में बढ़ोतरी की चुनौती का सामना कर रहा है। लेकिन पिछले महीने इसमें मामूली कमी आई और यह 7 फीसदी के करीब है। अमेरिका में यह चार दशकों के शिखर पर है।

इसी वजह से वहां ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी हो रही है। जब भी ऐसा होता है, भारत जैसे इमर्जिंग मार्केट्स से विदेशी निवेशक पैसा निकालते हैं, जिससे इन देशों की करंसी पर दबाव बनता है। रुपया हाल ही में डॉलर के मुकाबले रेकॉर्ड लो लेवल पर चला गया था, लेकिन इधर डॉलर इंडेक्स कमजोर हो रहा है, जिससे रुपये में रिकवरी आई है। डॉलर की निकासी और महंगाई दर को कम करने के लिए भारत में रिजर्व बैंक भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहा है। अच्छी बात यह है कि इधर कुछ दिनों में शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों ने खरीदारी शुरू की है। रुपये में रिकवरी और अच्छी जीडीपी ग्रोथ के कारण यह सिलसिला आगे तेज हो सकता है। भारत की दूसरी बड़ी दिक्कत कच्चे तेल की महंगाई है, लेकिन यह भी 100 डॉलर से नीचे आ गया है। तेल की सबसे अधिक खपत अमेरिका और चीन में होती है। अगर वहां की इकॉनमी सुस्त पड़ती हैं तो इससे आने वाले वक्त में कच्चा तेल और सस्ता होगा।

जो भारतीय इकॉनमी के लिए राहत की खबर होगी। लेकिन इसके साथ सरकार को कंजम्पशन बढ़ाने पर भी ध्यान देना होगा, जिसमें पिछले कुछ वक्त से कमजोरी बनी हुई है। इसके साथ ग्रोथ तेज करने के लिए निवेश की जो योजना सरकार ने बनाई है, उस पर तेजी से अमल करना होगा।

संपादकीय पृष्ठ

डार्क इंटरनेट में संयम जरूरी

आशीष कुमार 'अंशु'

ई-व्रत सुनने में एक नये तरह का विचार लगता है, लेकिन अब भारतीय महानगरों में इसे लोग अपनाने लगे हैं।

ई-व्रत के अंतर्गत सूचना के आदान-प्रदान से जुड़े तमाम इलेक्ट्रानिक गजट से सप्ताह में एक दिन दूरी बनाकर रहना होता है। मतलब एक पूरे दिन इंटरनेट के माध्यम से पहुंचाई जा रही ढेर सारी सूचनाओं से मुक्ति। जिन लोगों ने अपने जीवन में ऐसा प्रयोग किया, उन्होंने अच्छा महसूस किया। उन पर अनावश्यक सूचनाओं का दबाव नहीं था। पूरे दिन इंटरनेट के माध्यम से हम इतनी सारी सूचनाओं के उपभोक्ता बने होते हैं, यदि ठहर कर विचार करें तो उनमें से आधी से अधिक सूचनाएं हमारे किसी काम की नहीं हैं। दिल्ली के नेहरू विहार में निर्माण क्षेत्र से जुड़े सुनील दास के अनुसार-यदि व्यावसायिक मजबूरी न हो तो वे कभी स्मार्ट फोन को हाथ भी न लगाएं। उनके पास रोजगार का माध्यम स्मार्ट फोन है। इसकी वजह से ही वे सभी तरह की सूचनाएं हासिल कर पाते हैं, जिनमें अच्छी जानकारी कम और नकारात्मक जानकारी अधिक होती हैं। वे इंटरनेट फ्रॉड के किस्से सुनकर डर भी जाते हैं। इसलिए कम से कम इंटरनेट के इस्तेमाल की वकालत करते हैं।

सूचना क्रांति के दौर में सूचनाएं अवश्य एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा तीव्र गति से कर लेती हैं, लेकिन इस क्रांति का ही परिणाम है कि सच से भी अधिक तेजी से यहां झूठ उड़कर लोगों तक पहुंच रहा है। इस फैले झूठ की वजह से कई बार सांप्रदायिक हिंसा तक की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, और जब तक सत्य के साधक सच सामने लाते हैं, तब तक काफी देर हो चुकी होती है।

जर्मनी में इंटरनेट के दुष्प्रभाव पर एक शोध हुआ जिसके बाद आम आदमी के जीवन पर इसके दुष्प्रभाव का खुलासा हुआ। शोध के बाद कुछ वैज्ञानिकों ने मोबाइल टावर और वाई-फाई का संगठित विरोध करना शुरू कर दिया है। जर्मन वैज्ञानिकों ने जब शोध में आए खतरनाक परिणामों की बात सामने रखी तो उसके बाद वहां की सरकार ने वायर के माध्यम से इंटरनेट कनेक्शन को अपनी नीति में प्राथमिकता देना प्रारंभ किया। इसके परिणास्वरूप जर्मनी में अब तक लगभग 85 फीसदी कनेक्शन को तार से जोड़ दिया गया है। शेष पंद्रह फीसदी को भी तार से जोड़ने का काम जोर-शोर से चल रहा है।

जर्मनी ऐसा अकेला देश नहीं है, जो इंटरनेट के वायरीकरण की दिशा में काम कर रहा है, बल्कि फ्रांस, ऑस्ट्रिया, यूके और अमेरिका तक में वायर वाले कनेक्शन को इंटरनेट के लिए प्राथमिकता दी जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से जारी एक दिशानिर्देश में कहा गया है कि संवेदनशील जगहों पर मोबाइल टावर लगाने पर प्रतिबंध होना चाहिए। मोबाइल टावर से निकलने वाली रेडियोधर्मी किरणों का हमारे और आस-पास मौजूद जीव जगत की सेहत पर घातक प्रभाव पड़ता है। इंटरनेट को दुनिया भर में तार-सहित करने की बात की जा रही है। तार-रहित इंटरनेट का समर्थन अपने जीवन को संकट में डालने के बराबर है।

सूचना का अधिकार कार्यकर्ता सुरेश चंद गुप्ता के एक सवाल पर 31 मार्च, 2015 को सूचना आयुक्त का जवाब आया कि मोबाइल टावर से निकलने वाले रेडिएशन कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों की वजह है। डीएनए संरचना में बदलाव, कैंसर और हृदय रोगियों के लिए खतरनाक है। मोबाइल टावर के रेडिएशन गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बीमार लोगों और पशु-पक्षियों के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। इसलिए अस्पताल, रिहायशी इलाकों, बच्चों के स्कूलों आदि से इसे दूर रखा जाए। इस जवाब के अलावा यह बात भी बार-बार समाचार माध्यमों में आ चुकी है कि भारत के मोबाइल टावरों में मैग्नेटिक रेडिएशन दस गुना ज्यादा है। लेकिन भारत में इस बात की गंभीरता को अब भी समझा नहीं जा रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बार-बार पूरी दिल्ली को वाई-फाई उपलब्ध कराने की बात करते हैं जबकि कोविड महामारी से इतनी मुश्किल से निकली दिल्ली क्या अपनी सेहत की कीमत पर फ्री वाई फाई लेने को तैयार है? इस मुद्दे पर बात-बात पर जनमत संग्रह कराने वाली आम आदमी पार्टी दिल्ली में न जाने क्यों कोई जनमत संग्रह नहीं कराती?

सालों तक इंटरनेट पर घंटों खर्च करने के बाद भी कोई यह दावा इस माध्यम के लिए नहीं कर सकता कि उसे अब सब पता है। इंटरनेट पर डार्कनेट या डीप इंटरनेट के नाम से एक अंधेरी दुनिया भी सक्रिय है, जहां आम इंटरनेट उपयोगकर्ता जाता नहीं। वह एक अंधेरी सुरंग है, जहां जाने के लिए बहुत संयम चाहिए। वहां मौजूद सामग्री गूगल के सर्च इंजन से भी बाहर है। उस काली दुनिया का जिक्र पढ़कर कोई भी उपयोगकर्ता जानना चाहेगा कि आखिर, वहां मिलता क्या है? वहां फर्जी दस्तावेज बनवाने के लिए लोग जाते हैं। नया पहचान पत्र मिल जाता है। अफगानिस्तान के लोगों को कई मुल्कों में प्रवेश नहीं है। उनका पासपोर्ट भारत में बनाकर उन्हें विदेश भेजने वाला गिरोह दिल्ली के जंगपुरा-भोगल इलाके में सक्रिय रहा है। बताया जाता है कि नये पहचान पत्र से लेकर पासपोर्ट बनाने तक की उनकी यात्रा में डार्कनेट का बहुत बड़ा योगदान है।

डार्कनेट पर सक्रिय लोग किसी देश के कानून से उपर नहीं हैं। इसलिए वे पकड़े भी जाते हैं, और कानून सजा भी देता है। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां अपराधियों को सजा हुई है। उदाहरण के लिए इस नेटवर्क के माध्यम से ड्रग्स खरीदने के लिए एक रूसी को चार वर्ष की कारावास की सजा सुनाई गई। डार्कनेट पर डील उसी तरह होती है, जैसे किसी ऑनलाइन पोर्टल से सामान मंगाते हैं। यहां सिर्फ डिलीवरी पर भुगतान का विकल्प नहीं होता।

काम का भुगतान पहले करा लिया जाता है। वैसे अब जांच एजेंसियों की नजर में डार्कनेट आ गया है। उसके बाद अब यह जगह भी उतनी छुपी हुई नहीं रही है, जितनी सुनने में लगती है। लेकिन अब भी छोटे-छोटे अपराधों को डार्कनेट पर पकड़ पाना बहुत कठिन है। वह ट्रैक नहीं हो पाता। बाहरी दुनिया में गैर-कानूनी और प्रतिबंधित सामग्रियों का इसे मेला कह सकते हैं, या ऐसा मॉल जहां ईमानदारी के लिए कोई रोजगार नहीं है। इंटरनेट जहां हमारे मार्गदर्शन के लिए अच्छी सामग्री का भंडार है, वहीं दूसरी तरफ यहां ड्रग्स भी बिक रहा है, और लोग दूसरों की सुपारी भी दे रहे हैं। माध्यम एक ही है, महत्त्वपूर्ण यह है कि हम इसे बरतते कैसे हैं?

दहशत के दो सरगनाओं का खात्मा

कबीर तनेजा

अल कायदा प्रमुख अयमान अल-जवाहिरी को मार गिराने से अमेरिका के आतंकवाद-विरोधी अभियान को नई ऊर्जा मिली है। 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले के दो मुख्य सूत्रधारों में एक जवाहिरी भी था। एक अन्य आतंकी ओसामा बिन लादेन को 2011 में पाकिस्तान के अबोटाबाद में मार गिराया गया था। इस लिहाज से देखें, तो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का यह बयान स्वाभाविक है कि न्याय की जीत हुई। जिस मकसद से अमेरिकी फौज 2001 में अफगानिस्तान की ओर निकली थी, दोनों आतंकियों की मौत के बाद वह अभियान पूरा हो गया है।

जवाहिरी सिर्फ अल कायदा का सरगना नहीं था, वह इस आतंकी संगठन के संस्थापकों में से एक था। हालांकि, यह नहीं कह सकते कि उसकी मौत के बाद अल कायदा की कमर टूट गई है। ऐसे संगठन वैचारिक आधार पर टिके होते हैं। इनके सरगना को जरूर खत्म किया जा सकता है, लेकिन जल्द ही कोई नया नेतृत्व भी उभर आता है। हां, चूंकि अल कायदा के दोनों बड़े नेताओं को अब मार गिराया गया है, इसलिए फिलहाल कहा जा सकता है कि नए प्रमुख के उभरने और इन दोनों की तरह प्रभावशाली बनने में उसे वक्त लगेगा।

संयुक्त राष्ट्र में बताया गया है कि अल कायदा के तीन से चार हजार लड़ाके हैं, लेकिन इनकी ज्यादातर संख्या अफगानिस्तान में ही होगी। इसलिए चिंता उन गुटों से ज्यादा है, जो इसके समर्थक हैं। पूर्वी अफ्रीका में अल-शबाब या पश्चिमी अफ्रीका में सक्रिय जेहादी संगठनों की तरफ तो हमारा ध्यान ही नहीं जाता। अच्छी बात यह है कि पहले अल कायदा के दो मुख्य समर्थक गुट हुआ करते थे, जो खासा बड़े भी थे, जिनमें पहला था, यमन में सक्रिय एक्यूएपी, यानी अल कायदा इन अरेबियन पेनिन्सुला, जिसके नेता को 2016 के ड्रोन हमले में मार गिराया गया था। और दूसरा गुट था, अल कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनंट, यानी एक्यूआईएस। इसके नेता को भी 2019 में मार गिराया गया था। जाहिर है, चार बडे.नेताओं में सिर्फ जवाहिरी अब तक जीवित था, जिसकी मौत के साथ अल कायदा के शीर्ष नेतृत्व का सफाया हो गया है।

हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम में तालिबान सबसे अधिक सवालों के घेरे में है। जवाहिरी काबुल में मारा गया है, यानी उसे वहां पनाहगाह मिली हुई थी। साल 2020 में जब तालिबान ने अमेरिका के साथ दोहा में समझौता किया था, तब उसकी शर्तों में एक शर्त यह भी थी कि तालिबान अफगानिस्तान में अल कायदा या अमेरिका-विरोधी किसी भी आतंकी गुट के नेता को शरण नहीं देगा। हालांकि, कई तालिबानी नेता जवाहिरी के काबुल में होने से अनभिज्ञता जाहिर कर रहे हैं, मगर उसकी मौत ने तालिबान पर दबाव बढ़ा दिया है।

यहां पाकिस्तान की भूमिका भी नजरअंदाज नहीं की जा सकती। अफगानिस्तान एक लैंड लॉक्ड नेशन है, यानी वह चारों तरफ से किसी न किसी देश से घिरा हुआ है। ऐसे में, सवाल यह है कि जवाहिरी को मारने के लिए अफगानिस्तान में ड्रोन भेजा कैसे गया? चूंकि ईरान के रास्ते अमेरिका यह नहीं कर सकता और मध्य एशिया में उसका कोई एयरबेस नहीं है, इसलिए पाकिस्तान ही वह जगह दिखता है, जहां से अमेरिकी ड्रोन ने उड़ान भरी होगी। इसका सच भी कुछ दिनों में जाहिर हो जाएगा, मगर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में राहत पैकेज के लिए खींचतान व पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था की खस्ता हालत जैसी परिस्थितियां यही बता रही हैं कि पाकिस्तान को अमेरिका की सख्त जरूरत है। इतना ही नहीं, पाकिस्तानी सत्ता-प्रतिष्ठान को यह भी पता होगा कि जवाहिरी का ठिकाना कहां है, क्योंकि काबुल में हक्कानी नेटवर्क का खासा प्रभाव है और हक्कानियों के पाकिस्तान से संबंध जगजाहिर हैं।

अमेरिका बार-बार ओवर द हॉरिजन कार्रवाई की बात कहता रहा है। इसका अर्थ है कि वह अपने सैनिकों को अब जमीन पर नहीं भेजेगा, लेकिन आतंकवाद के खिलाफ ड्रोन या हवाई हमले करते रहेगा। अभी कुछ समय पहले तक उसका यही कहना था कि उसे मात्र पाकिस्तान में एक हवाईपट्टी हासिल है, इसलिए अगर उसने उसकी मर्जी के खिलाफ कुछ किया, तो संभव है कि यह सुविधा उससे छिन जाए। जाहिर है, अमेरिका पिछले तीन-चार महीने पहले तक ओवर द हॉरिजन कार्रवाई को लेकर उलझन में था, उसने अब सीधे अल कायदा प्रमुख को निशाना बनाया है, तो समझा जा सकता है कि उसे किस हद तक मदद मिली होगी?

पाकिस्तान ने सिर्फ जवाहिरी की मुखबिरी नहीं की होगी, अमेरिकी खुफिया एजेंसी को ऑन ग्राउंड भी पहुंचाया होगा। सीआईए के पास दो दशक तक काबुल में रहने का अनुभव है और विभिन्न गुटों में बंटे अल कायदा के कई समूहों के साथ उसके अच्छे रिश्ते भी होंगे, फिर भी अमेरिकी खुफिया एजेंसी की काबुल में मौजूदगी उल्लेखनीय है, जबकि पिछले साल उसके प्रमुख बिल बर्न्स ने कहा था कि अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज की विदाई से सीआईए की जांच व सुरक्षा संबंधी गतिविधियां प्रभावित होंगी।

बहरहाल, अमेरिका की यह कार्रवाई भारत के लिए भी सुकून की बात है। सवाल पूछा जाता है कि भारत ऐसा क्यों नहीं करता, जबकि उसके पास आतंकियों की एक लंबी सूची है? इस सवाल का जवाब इन कार्रवाइयों के पीछे के गणित में छिपा है। दरअसल, ऐसे अभियानों में भौगोलिक स्थिति काफी मायने रखती है। अमेरिका और पाकिस्तान एक-दूसरे के साथ कोई सीमा साझा नहीं करते। फर्ज कीजिए, अगर पाकिस्तान में यह कार्रवाई होती, तो इस्लामाबाद ज्यादा से ज्यादा क्या करता? वह अमेरिका से अपने राजदूत वापस बुला लेता या अपने यहां के अमेरिकी राजदूत को वापस भेज देता। चूंकि अमेरिका उससे हजारों मील दूर है, तो जाहिर है, सैन्य कार्रवाई वह कर नहीं सकता।

मगर भारत के खिलाफ उसके हाथ-पैर बंधे नहीं हैं। दोनों देशों की सीमा एक होने के कारण पाकिस्तान जबावी कार्रवाई में कुछ भी कर सकता है। साफ है, भारत को युद्ध में उतरना पड़ सकता है। इससे हमारी अर्थव्यवस्था को भी नुकसान होगा, जबकि बदले में, हम सिर्फ एक या दो आतंकी मार सकेंगे। इसीलिए सीमा पार जो कार्रवाई अमेरिका कर सकता है, वह क्षमता के बावजूद भारत शायद ही करना चाहेगा। हमारे लिए यह काफी महंगा सौदा होगा।

सियासत में संतुलन साध चलते स्टालिन

एस श्रीनिवासन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के इस बयान से विवाद खड़ा हो गया है कि एक भाषा, एक धर्म और एक संस्कृति को थोपने की कोशिश करने वाले लोग देश के दुश्मन हैं और ऐसी बुरी ताकतों के लिए अपने देश में कोई जगह नहीं है। यह बयान उन्होंने शनिवार को दिया था। हालांकि, इसमें उन्होंने किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं लिया, लेकिन यह साफ था कि वह भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व पर हमला कर रहे थे।

मुख्यमंत्री आखिर ऐसा क्यों कह रहे हैं, जबकि इस बयान से एक दिन पूर्व ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा करते हुए उन्होंने अपनी ऐसी किसी भावना का इजहार नहीं किया? अलबत्ता, तब वह कहीं अधिक मित्रवत व्यवहार करते दिखे थे। उन्होंने न सिर्फ प्रधानमंत्री की खुद अगवानी की थी, बल्कि पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों के विपरीत सभी प्रोटोकॉल का पालन भी किया था।

प्रधानमंत्री मोदी 44वें शतरंज ओलंपियाड का उद्घाटन करने के लिए चेन्नई आए थे, और उन्होंने भी स्टालिन के साथ समान मित्रता दिखाई था। उन्होंने यह भी कहा था कि इतने कम समय में मामल्लापुरम में ओलंपियाड आयोजित करने के वास्ते अच्छी व्यवस्था करने में राज्य की सरकार कामयाब रही। उन्होंने तमिल संस्कृति की भी खुलकर तारीफ की थी, जिसके साथ शतरंज काफी करीब से जुड़ा है। उन्होंने खासतौर पर इसका उल्लेख किया था कि राज्य में इस खेल की वाकई पूजा की जाती है और यहां इस खेल से जुड़ा एक मंदिर भी है।

वास्तव में, तिरुवरूर जिले के तिरुपूवनूर गांव में चतुरंग वल्लभनाथर का एक मंदिर है, जहां शतरंज के देवता और उनकी पत्नी राजराजेश्वरी स्थापित हैं। किंवदंती है कि भगवान शिव तपस्वी के वेश में आए थे और सतुरंगम (शतरंज के लिए तमिल में कहा जाने वाला शब्द) जीतने के बाद राजराजेश्वरी से शादी की थी, जो भगवान पार्वती का अवतार हैं। दिलचस्प यह कि कई विदेशी मेहमानों, यहां तक कि कई शतरंज खिलाड़ियों ने भी प्रतियोगिता में उतरने से पहले इस मंदिर में प्रार्थना की।

स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में कोई विवादास्पद बयान नहीं दिया। उनकी आपसी गर्मजोशी से तो लोगों में यह बतकही भी शुरू हो गई कि क्या स्टालिन केंद्र के साथ नजदीकी बढ़ाने की बुनियाद तैयार कर रहे हैं? ऐसा इसलिए, क्योंकि भाजपा राज्य में अपना आधार मजबूत करना चाहती है और उनकी वर्तमान सहयोगी अन्नाद्रमुक उसकी मदद करने की स्थिति में फिलहाल नहीं दिख रही है।

दिलचस्प है कि स्टालिन ने सिर्फ भाषा नीति पर केंद्र को नहीं घेरा। उन्होंने यह भी कहा कि वह विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करके और पत्रकारों को गिरफ्तार करके निरंकुश व्यवहार का प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह देश के स्वतंत्रता सेनानियों को धोखा देने जैसा है। उन्होंने केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन की भी तारीफ की और कहा कि तमिलनाडु में द्रमुक व माकपा के बीच गठजोड़ वैचारिक आधार पर बना है, न कि महज चुनावी जीत के लिए।

आखिर स्टालिन ने इतना कड़ा रुख क्यों अपनाया? इसके कई कारण दिखते हैं। सबसे पहली वजह तो यही जान पड़ती है कि वह स्पष्ट करना चाहते हैं कि पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों के विपरीत वह केंद्र की राजनीति में जाने को इच्छुक नहीं हैं। इसके बजाय वह खुद को राज्य तक सीमित रखना चाहते हैं और केंद्र के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध के हिमायती हैं, ताकि राज्य के विकास में सुधार की जब कभी दरकार हो, वह उसकी मदद ले सकें।

दूसरी बात, वह शायद यह साफ करना चाहते थे कि वैचारिक रूप से द्रमुक भाजपा के खिलाफ है। उनके लिए यह स्पष्ट करना कम से कम दो वजहों से जरूरी है। एक, इस अफवाह को थामने के लिए कि वह भाजपा के साथ गठबंधन बना रहे हैं। और दूसरी, अपने कार्यकर्ताओं को यह बताने के लिए कि उन्हें भगवा पार्टी को आगे नहीं बढ़ने देना चाहिए। यह खास तौर से इसलिए महत्वपूर्ण संदेश है, क्योंकि द्रमुक कार्यकर्ताओं के एक वर्ग में निराशा है कि उनकी पार्टी भाजपा के करीब जा रही है। पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि भाजपा की निकटता संबंधी बनती आम धारणा द्रमुक पार्टी के लिए महंगी साबित हो सकती है।

तीसरी बात, वामपंथी दलों के साथ द्रमुक पार्टी अपना गठजोड़ बनाए रखेगी और इसलिए वह सेक्युलरवादियों के पक्ष में ही रहेगी। बेशक, राज्य में वामपंथी काफी कम हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी के विपरीत वामपंथियों के साथ रहना उनके लिए कहीं अधिक सुविधाजनक है।

चौथी, भाषा शायद उनके लिए सबसे सुविधाजनक मुद्दा है, क्योंकि यह हिंदुत्ववादी ताकतों के खिलाफ द्रमुक को मजबूत बनाने की दिशा में कारगर साबित हो सकता है। यह पार्टी की स्थानीय पहचान के लिए भी मुफीद है। फिलवक्त, स्टालिन अच्छा संतुलन बनाने के लिए मजबूर हैं, क्योंकि भाजपा राज्य में राजनीतिक विमर्श पर हावी होने की हर मुमकिन कोशिश कर रही है। स्टालिन एक कुशल राजनेता हैं और वह जानते हैं कि भाजपा के साथ किसी भी तरह के गठबंधन का नतीजा द्रमुक के लिए खतरनाक साबित हो सकता है, जैसा कि महाराष्ट्र में शिव सेना के साथ हुआ और बिहार में कुछ हद तक जनता दल (यूनाइटेड) के साथ। इसके विपरीत तथ्य यह भी है कि उसका किसी भी तरह का उग्र विरोध केंद्रीय एजेंसियों की दौड़ आमंत्रण देना है, जो द्रमुक के लिए मुसीबतें बढ़ा सकता है, जैसा कि कोलकाता में हुआ। आखिरी और सबसे महत्वपूर्ण बात! द्रमुक पार्टी अच्छी तरह से जानती है कि नरेंद्र मोदी एक लोकप्रिय नेता हैं और तमिलनाडु में भी उनके प्रशंसकों की संख्या कम नहीं। इसीलिए प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत हमले करने के बजाय स्टालिन मुद्दा आधारित राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। द्रमुक के लिए वह इसे सधा हुआ सियासी कदम मानते हैं।

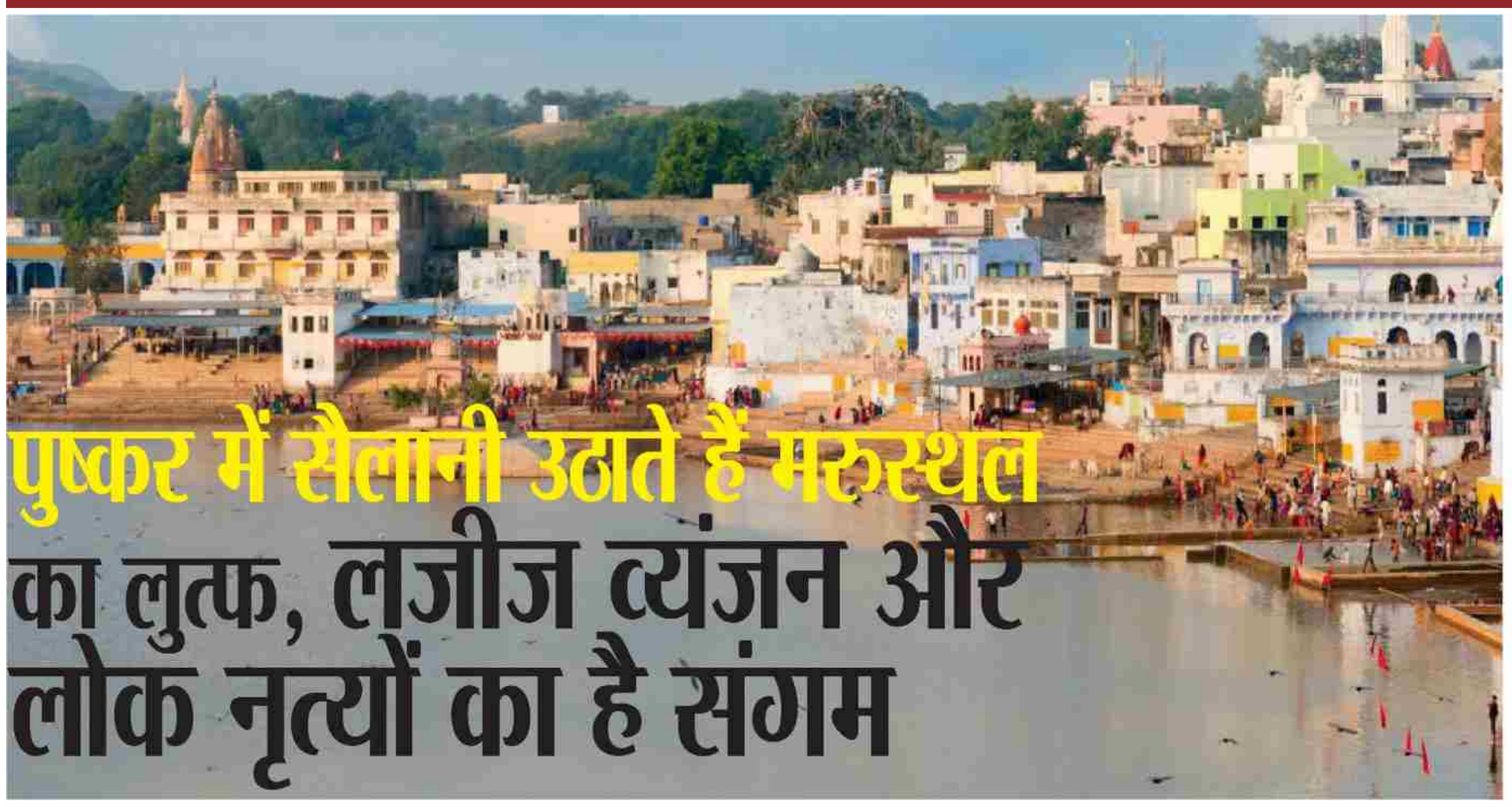

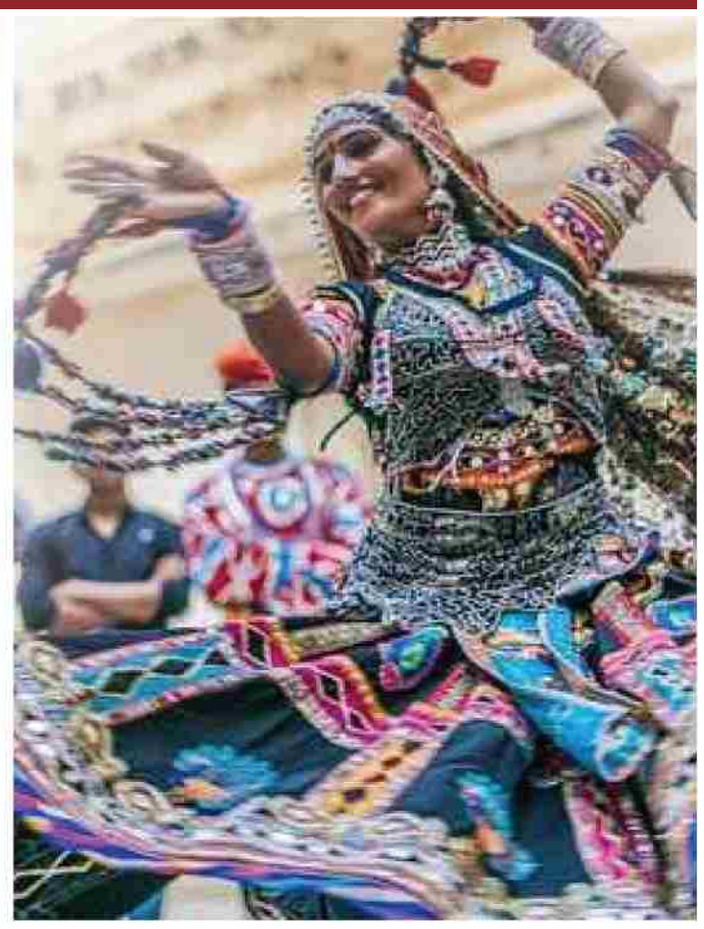

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ, लज़ीज़ व्यंजन और लोक नृत्यों का है संगम

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले घोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्रैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्जरी नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, ज़िप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फ़ोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्मा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्तियां हैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मूर्तियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर में 76 छोटे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खंभे हैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े आकारों के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस प्रकार बनाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर मुख्य पवित्र स्थल के दर्शन में बाधा नहीं पहुंचती है। इन खंभों पर अतिसुंदर नक्काशी की गई है। इन खंभों की खास विशेषता यह है कि ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थुन में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्ग:- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्ग:- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

देश का निर्यात जुलाई में मामूली घटकर 35.24 अरब डॉलर पर, व्यापार घाटा तीन गुना बढ़ा

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। देश का निर्यात जुलाई में 0.76 प्रतिशत की मामूली घटकर 35.24 अरब डॉलर रहा। पिछले 17 महीनों के दौरान पहली बार निर्यात में गिरावट आई है। वहीं, कच्चे तेल के आयात में वृद्धि के कारण इस दौरान व्यापार घाटा तीन गुना होकर 31.02 अरब डॉलर हो गया। जुलाई 2022 में निर्यात सालाना आधार पर 0.76 प्रतिशत घटकर 35.24 अरब डॉलर रह गया। जुलाई 2021 में देश का वस्तु निर्यात 35.51 अरब डॉलर था। इससे पहले फरवरी 2021 के दौरान निर्यात में 0.4 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2022 में देश का आयात 43.59 प्रतिशत बढ़कर 66.26 अरब डॉलर पर पहुंच गया। एक साल पहले के इसी महीने में यह 46.15 अरब डॉलर था।

हालांकि, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश का निर्यात सालाना आधार पर 19.35 प्रतिशत बढ़कर 156.41 अरब डॉलर हो गया, जो बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में 131.06 अरब डॉलर था। इसके अलावा वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही में आयात भी सालाना आधार पर 48.12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 256.43 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस साल जुलाई के दौरान कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात 70.4 प्रतिशत बढ़कर 21.13 अरब डॉलर रहा, जो जुलाई 2021 में 12.4 अरब डॉलर था।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले माह सोने का आयात लगभग आधा घटकर 2.37 अरब डॉलर रह गया। एक साल पहले के इसी महीने में यह 4.2 अरब डॉलर था। निर्यात की तुलना में अधिक आयात के कारण इस साल जुलाई में व्यापार घाटा तीन गुना होकर 31.02 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह पिछले

वित्त वर्ष के इसी महीने में 10.63 अरब डॉलर था। वहीं, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी व्यापार घाटा बढ़कर 100.01 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य सचिव बी वी आर सुब्रह्मण्यम ने व्यापार आंकड़ों का ब्योरा देते हुए कहा, वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में 156.41 अरब डॉलर का निर्यात हुआ है। इससे पता चलता है कि हम चालू वित्त वर्ष में 470 अरब डॉलर के निर्यात का आंकड़ा आसानी से हासिल करने की राह पर हैं।''

स्पाइसजेट बेचेगी अपनी हिस्सेदारी, कई निवेशकों के साथ बातचीत जारी

मुंबई, 03 जुलाई (एजेन्सी)। सुरक्षा से जुड़े मसलों के बीच दबाव का सामना कर रही स्पाइसजेट अपनी स्थिति और बेहतर करने की कोशिश में लगी हुई है। कंपनी फिलहाल हिस्सा बिक्री की योजना पर काम कर रही है।

एयरलाइंस ने आज जानकारी दी कि फिलहाल कई निवेशकों के साथ बातचीत जारी है और समय पर इन जानकारियों का खुलासा किया जाएगा। कंपनी फिलहाल डीजीसीए के लगाए गए प्रतिबंधों के साथ परिचालन कर रही है लेकिन इसी बीच बैलेंस शीट को भी बेहतर बना रही है। कल ही स्पाइसजेट ने एएआई का सारा मूल बकाया चुका दिया है। एयरलाइन को लगातार घाटा हो रहा है। इससे निपटने के लिए एयरलाइन ने हिस्सा बिक्री के जरिए रकम जुटाने की योजना बनाई है। मीडिया में आई रिपोर्ट के मुताबिक एयरलाइंस मध्य पूर्व की एक एयरलाइंस के साथ साथ घरेलू कंपनियों के साथ भी बात कर रही है।

मीडिया में आई खबरों के मुताबिक एयरलाइन एक मध्यपूर्व की एयरलाइन के साथ बात कर रही है वहीं भारत के कुछ कारोबारी समूहों के साथ भी बात चल रही है। फिलहाल एयरलाइन किसी बातचीत से जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी है हालांकि माना है कि चर्चा चल रही है। प्रमोटर अजय सिंह के पास फिलहाल एयरलाइन में 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। एयरलाइंस फिलहाल कई तरह की मुश्किलों से गुजर रही है। सुरक्षा संबंधी चिंताओं की वजह से एयरलाइन फिलहाल आधी उड़ानों का परिचालन ही कर पा रही है। वहीं तकनीकी समस्या के बाद एयरलाइन को अभी मार्च तिमाही के नतीजे भी जारी करने है। एयरलाइन पिछले काफी समय से घाटा दर्ज कर रही है।

शेयर बाजार में गिरावट के बीच भी स्पाइसजेट के स्टॉक में तेज उछाल देखने को मिल रहा है। स्टॉक पिछले बंद स्तर 44.4 के मुकाबले बढ़कर 48.6 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। जो की करीब 10 प्रतिशत की ग्रोथ है।

फॉर्च्यून ग्लोबल की सूची में एलआईसी की एंट्री, मुकेश अंबानी के रिलायंस की लंबी छलांग

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। हाल में सूचीबद्ध जीवन बीमा निगम (एलआईसी) फॉर्च्यून ग्लोबल 500 की ताजा सूची में शामिल है। वहीं इस सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 51 स्थान की छलांग लगाई है। वहीं, एलआईसी 97.26 अरब डॉलर के राजस्व और 55.38 करोड़ डॉलर के लाभ के साथ देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी है। हाल में जारी फॉर्च्यून 500 सूची में एलआईसी को 98वां स्थान मिला।

दूसरी ओर 2022 की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज 51 स्थान की छलांग लगाकर 104वें स्थान पर पहुंच गई।

फॉर्च्यून 500 सूची में सूचीबद्ध कंपनियों की बिक्री के आधार उन्हें स्थान दिया जाता है। रिलायंस 93.98 अरब डॉलर के राजस्व और 8.15 अरब डॉलर के शुद्ध लाभ के साथ 19 साल से इस सूची में बनी हुई है।

इस सूची में शीर्ष पर अमेरिका की खुदरा कंपनी वॉलमार्ट है। सूची में कुल नौ भारतीय कंपनियां हैं, जिनमें से पांच सार्वजनिक क्षेत्र की हैं और चार निजी क्षेत्र की हैं। भारतीय कंपनियों में सिर्फ एलआईसी ही रिलायंस से ऊपर है।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) 28 स्थान की बढ़त के साथ 142वें स्थान पर पहुंच गई। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) 16 स्थान चढ़कर 190 पर है।

इस सूची में टाटा समूह की दो कंपनियां- टाटा मोटर्स (370वें स्थान पर) और टाटा स्टील (435वें स्थान पर) हैं। राजेश एक्सपोर्ट्स सूची में 437वें स्थान के साथ एक अन्य निजी भारतीय कंपनी है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) 17 पायदान चढ़कर 236वें स्थान पर और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड 19 पायदान चढ़कर 295वें स्थान पर है। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में 31 मार्च 2022 या उससे पहले समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए कुल राजस्व के आधार पर कंपनियों को स्थान दिया जाता है।

अडानी पावर का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ कई गुना बढ़कर 4,780 करोड़ रुपए पर

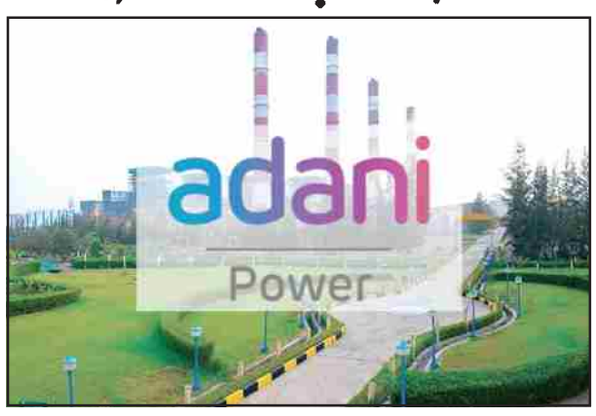

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। अडानी समूह की कंपनी अडानी पावर लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की पहली तिमाही में कई गुना बढ़कर 4,779.86 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार यह जानकारी दी। इससे पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 278.22 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। अडानी पावर की कुल आय जून, 2022 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 15,509 करोड़ रुपए पहुंच गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 7,213.21 करोड़ रुपए थी।

कंपनी का कुल खर्च आलोच्य तिमाही में 9,642.80 करोड़ रुपए रहा जो इससे पूर्व वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 6,763.50 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी और उसकी अनुषंगी इकाइयों के बिजलीघरों का औसत प्लांट लोड फैक्टर' (क्षमता उपयोग) 58.6 प्रतिशत रहा। कंपनी की स्थापित क्षमता 13,650 मेगावॉट है।

जोमैटो के सबसे बड़े शेयरहोल्डर ने छोड़ा कंपनी का साथ, शेयर में गिरावट

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेन्सी)। उबर टेक्नोलॉजीज ने बुधवार को फूड डिलिवरी फर्म जोमैटो लिमिटेड में अपनी 7.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी की खबर के मुताबिक, उबर ने ब्लॉक डील के जरिए 392 मिलियन में जोमैटो के शेयर बेचे हैं। यह ब्लॉक डील 50.44 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से हुई है। फिलहाल इस मामले में जोमैटो और की तरफ से कोई बयान नहीं आया है।

जोमैटो के शेयर बीएसई पर 4.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 53.30 रुपए पर कारोबार कर रहे हैं। इसस पहले शुरूआती कारोबार में जोमैटो के शेयर बुधवार सुबह करीब 10 प्रतिशत तक टूट गया था। हालांकि, बाद में रिकवर कर रहा था। बता दें कि मंगलवार को जोमैटो के शेयर 20 प्रतिशत चढ़कर 55.60 रुपए पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयरों ने आज अपर सर्किट को हिट किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, जोमैटो के शेयरधारक इस ब्लॉक डील से लगभग 373 मिलियन डॉलर यानी छ2,938 करोड़ जुटाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि बुधवार को उबर ने जोमैटो के कुल 61 करोड़ शेयर ब्लॉक में बेचे हैं। सूत्रों के मुताबिक, फिडेलिटी, फ्रैंकलिन टेम्पलटन और भारत के आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल समेत लगभग 20 वैश्विक और भारतीय फंडों द्वारा हिस्सेदारी खरीदी गई है।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में जोमैटो का कंसॉलिडेटेड नेट लॉस घटकर 185.7 करोड़ रुपए रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का घाटा 356.2 करोड़ रुपए था। वहीं, मार्च 2022 तिमाही में जोमैटो को 359.7 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में कंपनी की ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू बढ़कर 6,430 करोड़ रुपए रही है।

आजादी के 75 साल बाद भारत में अब कुल 75,000 स्टार्टअप : पीयूष गोयल

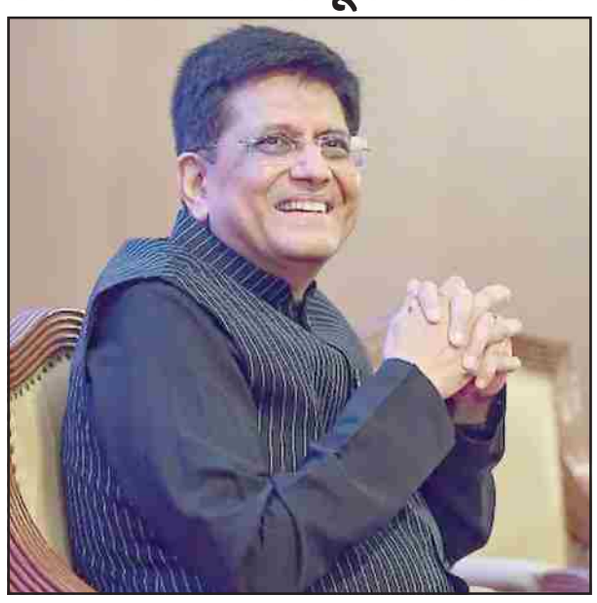

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत अब 75,000 स्टार्टअप वाले देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस स्टार्टअप्स से लगभग 8 लाख नए रोजगार सृजित हुए हैं। यह संख्या भारत के नए विजन की ताकत को दर्शाता है। भारत का यह नया विजन नए नवाचार और उद्यम की प्रगति को दिखाता है। श्री गोयल ने ट्वीट कर कहा की आजादी के 75वें साल में भारत में कुल 75,000 स्टार्टअप्स हैं और अभी तो यह शुरुआत है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि लेटेस्ट 10,000 स्टार्टअप पिछले 156 दिनों में शुरू हुए हैं जबकि शुरुआत के 10,000 स्टार्टअप्स को शुरू होने में कुल 808 दिन लगे थे। मंत्रालय ने यह भी कहा कि 49 प्रतिशत स्टार्टअप देश के टायर1 और टायर2 शहरों में शुरू किए गए हैं। इन स्टार्ट ऑफ़ में 12 प्रतिशत आईटी क्षेत्रों में, 9 प्रतिशत स्वास्थ्य देखभाल और जीवन विज्ञान के क्षेत्रों में, 7 प्रतिशत शिक्षा क्षेत्र में, 5 प्रतिशत पेशेवर और व्यवसायिक सेवा क्षेत्रों से लेकर कृषि क्षेत्रों में शुरू किया गया। पिछले 6 वर्षों में प्रत्येक साल 110 प्रतिशत से ज्यादा नए रोजगार पैदा हुए हैं।

डिपार्टमेंट ऑफ प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटर्नल ट्रेड विभाग ने आजादी के 75वें साल में इन सभी 75,000 स्टार्टअप को मान्यता दी है। मंत्रालय ने 2015 में लाल किले से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए भाषण को भी याद कराया। इस भाषण में प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि देश में नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए और एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने के लिए कार्य योजना शुरू की जाएगी। अब 6 वर्षों के बाद भारत ने तीसरी सबसे बड़ी स्टार्टअप इकोसिस्टम को तैयार कर लिया है।

शेयर बाजार में लगातार छठे दिन तेजी, सेंसेक्स 214 अंक मजबूत होकर हुआ बंद

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेन्सी)। भारतीय शेयर बाजार रिकवरी के ट्रैक पर बेफिक्र होकर दौड़ रहा है। बुधवार को लगातार छठे दिन तेजी रही। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 214.17 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 58,350.53 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 58,415.63 अंक तक गया और नीचे में 57,788.78 अंक तक आया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 42.70 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,388.15 अंक पर बंद हुआ।

किस शेयर का क्या हाल: सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, टीसीएस, इन्फोसिस, टाइटन, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में मारुति सुजुकी, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक और बजाज फाइनेंस शामिल हैं।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे, जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नुकसान में रहा।

आज से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की द्विमासिक बैठक शुरू हो रही है। तीन दिन चलने वाली इस बैठक में रेपो को बढ़ाने पर फैसला किया जाएगा। ऐसे में निवेशकों की निगाहें भी इस बैठक पर टिकी हुई हैं। बता दें, आरबीआई ने रेपो रेट में अबतक 90बीपीएस का इजाफा किया है।

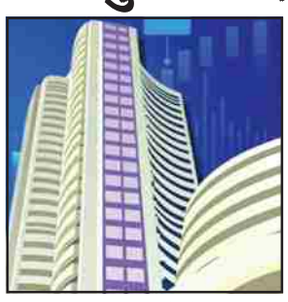

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार पांचवें दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स लगभग 21 अंक की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ था। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 20.86 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 58,136.36 अंक पर बंद हुआ। यह कारोबार के दौरान ऊंचे में 58,328.41 अंक तक गया और नीचे में 57,744.70 अंक पर आया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 5.40 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 17,345.45 अंक पर बंद हुआ।

इंडिगो को 1064 करोड़ रुपये का नुकसान, नतीजों से पहले खूब खरीदे गए शेयर

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। प्राइवेट सेक्टर की एयरलाइन इंडिगो को जून तिमाही में तगड़ा नुकसान हुआ है। ईंधन के ऊंचे दाम और रुपये में कमजोरी के चलते घाटा 1,064 करोड़ रुपये का है। हालांकि, इससे पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में इंडिगो का घाटा 66.5 प्रतिशत कम हुआ है।

कितनी है आय: वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में एयरलाइन की कुल आय 13,019 करोड़ रुपये रही जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,170 करोड़ रुपये थी। हालांकि अप्रैल-जून के दौरान इंडिगो का कुल खर्च दोगुना से अधिक होकर 14,083 करोड़ रुपये हो गया, जो 2021-22 की अप्रैल-जून तिमाही में 6,344 करोड़ रुपये था।

एयरलाइन कंपनी ने कहा कि तिमाही में ईंधन पर उसका खर्च करीब चार गुना बढ़कर 5,990 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वर्ष जून तिमाही में यह 1,215 करोड़ रुपये था।

इंडिगो का शेयर भाव: सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर भाव 1.62 प्रतिशत चढ़कर 1975.25 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी का मार्केट कैपिटल 76,097.44 करोड़ रुपये है।

आरबीआई एमपीसी की बैठक शुरु, लगातार तीसरी बार हो सकती है रेपो रेट में बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक शुरू हो गई है। रिजर्व बैंक की तीन दिनों तक चलने वाली इस बैठक के दौरान रेपो रेट में कम से कम 0.35 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर फैसला हो सकता है। इस तरह पिछले तीन महीनों में रेपो रेट या लघु अवधि की उधारी दर में लगातार तीसरी बार बढ़ोतरी हो सकती है।

केंद्रीय बैंक ने पहले ही अपने उदार मौद्रिक नीति रुख को धीरे-धीरे वापस लेने की घोषणा की है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली एमपीसी पांच अगस्त को अपने फैसले की घोषणा करने वाली है। केंद्रीय बैंक और सरकार, दोनों ही मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए कदम उठा रहे हैं, जो इस साल जनवरी से छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। आरबीआई ने मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य तय किया है, जिसमें दो प्रतिशत तक घट-बढ़ हो सकती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा, हमने यह सुनिश्चित किया है कि रिजर्व बैंक और सरकार साथ मिलकर इस बात के लिए पर्याप्त कदम उठा रहे हैं कि मुद्रास्फीति को सात प्रतिशत तक या आदर्श रूप से छह से नीचे रखा जाए।

आरबीआई ने खुदरा मुद्रास्फीति को काबू में करने के लिए चालू वित्त वर्ष में अब तक रेपो दर को दो बार बढ़ाया है- मई में 0.40 प्रतिशत और जून में 0.50 प्रतिशत। हालांकि, 4.9 प्रतिशत की मौजूदा रेपो दर अब भी कोविड-पूर्व के स्तर 5.15 प्रतिशत से नीचे है।

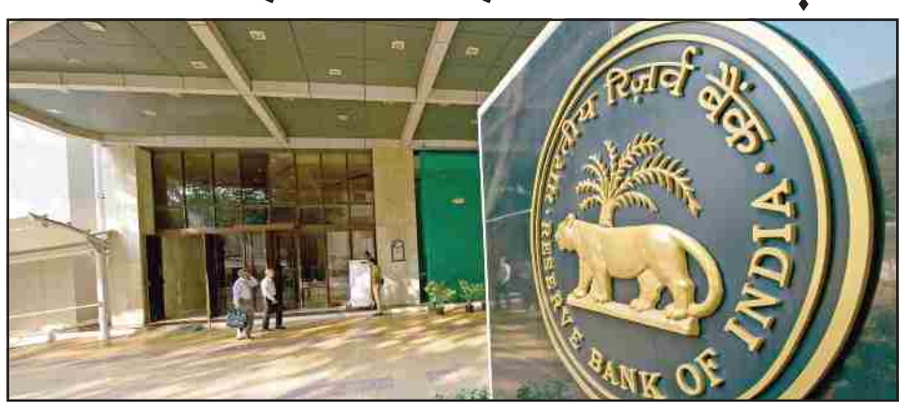

महामारी के चलते आए आर्थिक संकट से निपटने के लिए केंद्रीय बैंक ने 2020 में रेपो दर में तेजी से कमी की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक इस सप्ताह नीतिगत दर को कम से कम महामारी से पहले के स्तर पर ला देगा। साथ ही इसे आगे और बढ़ाया जा सकता है।

पंजाब एंड सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक स्वरूप कुमार साहा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा आर्थिक स्थिति को देखते हुए रिजर्व बैंक इस सप्ताह रेपो दर में 0.35 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत के बीच बढ़ोतरी करेगा। श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) उमेश रेवणकर ने कहा कि एमपीसी नीतिगत दरों में 0.35 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है।

राष्ट्रमंडल खेल

लवप्रीत सिंह का कमाल, वेटलिफ्टिंग में भारत को दिलाया कांस्य पदक

कैमरून के नयाबेयू को मिला स्वर्ण

बर्मिंघम (एजेंसी)।

राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत के लवप्रीत सिंह ने पुरुषों के 109 किलोग्राम भार वर्ग में तीसरे स्थान पर रहने के साथ ही कांस्य पदक पाया। लवप्रीत ने कुल 355 किलो वजन उठाते हुए यह कांस्य पदक हासिल किया है। लवप्रीत ने पहले ही प्रयास में 157 किलो वजन उठाया। वहीं दूसरे प्रयास में लवप्रीत ने 161 किलोग्राम वजन उठाया और इस लिफ्ट के साथ ही पहले पायदान पर पहुंच गए। इसके बाद उनका तीसरा प्रयास भी सफल रहा और उन्होंने 163 किलो वजन के साथ स्नैच राउंड समाप्त किया।

लवप्रीत ने इसी प्रकार का प्रदर्शन क्लीन एंड जर्क में भी किया और पहले ही प्रयास में ही 185 किलो वजन उठा लिया। इस प्रकार वह कुल मिलाकर पहले स्थान पर आ गए। दूसरे प्रयास में उन्होंने कुल 189 किलो वजन उठाया और तीसरे प्रयास में 192 किलो वजन उठाया। उनके सभी 6 प्रयास सफल रहे। वहीं कैमरून के नयाबेयू ने 196 किलो वजन उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। समोआ के जैक हिटिला को रजत पदक मिला।

लवप्रीत ने जब क्लीन एंड जर्क का जब अपना आखिरी प्रयास पूरा किया, तबतक वो नंबर एक पर थे पर बाद में कैमरून के नयाबेयू और समोआ के हिटिला आगे निकल गये। इस कारण लवप्रीत को कांस्य पदक ही मिल पाया। भारतीय भरोत्तोलक ने कुल 355 (163+192) किलो वजन उठाया और अपना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ते हुए कांस्य पदक जीता। कैमरून के वेटलिफ्टर जूनियर पेरिसलेक्स ने कुल 361 किलो वजन उठाया और वह स्वर्ण जीतने में सफल रहे। वहीं, समोआ के जैक हिटिला ने 358 किलो वजन के साथ रजत पदक हासिल किया।

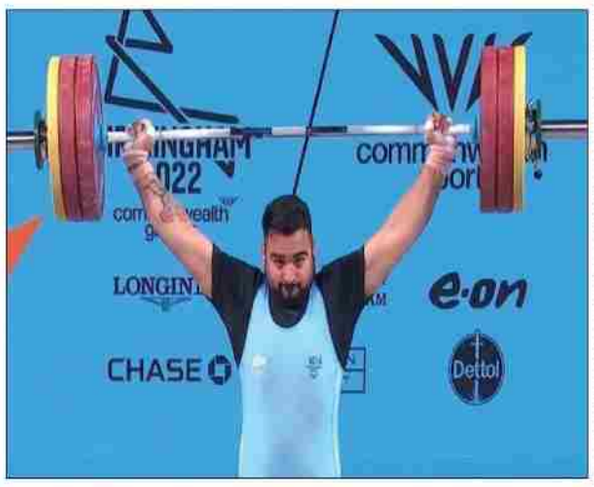

राष्ट्रमंडल खेल: तूलिका मान महिलाओं की 78 किग्रा जूडो स्पर्धा के फाइनल में पहुंची

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारतीय जूडो खिलाड़ी तूलिका मान ने बुधवार को यहां महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंचकर राष्ट्रमंडल खेलों में एक पदक पक्का कर दिया। चार बार की राष्ट्रीय चैम्पियन तूलिका (22 साल) पहले मुकाबले में पिछड़ रही थीं लेकिन 'इपोन% (प्रतिद्वंद्वी को पीठ के बल जोर से पटकना) की बदौलत न्यूजीलैंड की सिडनी एंड्रयूज को सेमीफाइनल में तीन मिनट के भीतर हराकर फाइनल में पहुंच गईं। अब तूलिका का सामना रात में फाइनल में स्कॉटलैंड की सारा एडलिंगटन से होगा।

एक अन्य भारतीय दीपक देसवाल पुरूष 100 किग्रा स्पर्धा के रेपशाज में फिजी के तेविता ताकावाया से हार गए। भारत ने अभी तक जूडो स्पर्धा में दो पदक जीत लिए हैं। एल सुशीला देवी और विजय कुमार ने सोमवार को क्रमश- महिला 48 किग्रा वर्ग और पुरूष 60 किग्रा वर्ग में रजत और कांस्य पदक जीते थे।

गौर हो कि 22 अप्रैल को भारतीय जूडो महासंघ की मान्यता रद्द कर दी गई थी जिसके बाद भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया और ट्रायल्स की देखरेख तथा जरूरी बदलावों का सुझाव देने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। समिति में ओलंपियन जूडो खिलाड़ी कावास बिलिमोरिया, संदीप बायाला और सुनीत ठाकुर के अलावा जूडो मास्टर्स अरूण द्विवेदी और योगेश के धाडवे शामिल हैं।

करो या मरो का मैच जीतकर भारत महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 के करो या मरो मैच में बुधवार को कनाडा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने ग्रुप-ए के अपने आखिरी मुकाबले में कनाडा को 3-2 से शिकस्त दी। भारत के लिए सलीमा टेटे, नवनीत कौर और लालरेमसियामी ने एक-एक गोल किया, जबकि कनाडा के लिये ब्रिएन स्टेयर्स और हैना हॉ ने गोल किए।

भारत ने करो या मरो मैच की शुरुआत मजबूती से करते हुए मैच के तीसरे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। गुरजीत कौर से गेंद को नेट तक पहुंचाने में चूक हुई, लेकिन सलीमा ने भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। नवनीत कौर ने दूसरे क्वार्टर में लालरेमसियामी के पास को गोल में तब्दील कर भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई, लेकिन इसके बाद कनाडा ने मैच में वापसी की।

स्टेयर्स ने जहां क्वार्टर-2 की समाप्ति से ठीक पहले एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया, वहीं हैना हॉ ने तीसरे क्वार्टर के नौवें मिनट में गोल कर मैच को 2-2 की बराबरी पर ला खड़ा किया। ग्रुप-ए में गोल के मामलों में भारत से आगे चल रही कनाडा को मैच में सिफ 'ड्रॉ की दरकार थी, जबकि भारत के लिए जीतना जरूरी था। भारत को चौथे क्वार्टर में गोल की सख्त आवश्यकता थी जो उन्हें लालरेमसियामी ने दिलाया। जब चौथे क्वार्टर में नौ मिनट बचे थे तब लालरेमसियामी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और भारत ने 3-2 से जीत दर्ज की। इससे पहले भारत ने ग्रुप-ए के अपने मुकाबलों में घाना (5-0) और वेल्स (3-1) पर जीत हासिल की थी जबकि इंग्लैंड (1-3) से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में पांचवी बार जगह बनाई है, जहां उनका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय बैडमिंटन टीम को मिला रजत

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारतीय मिश्रित बैडमिंटन टीम को राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक मिला है। भारतीय टीम को फाइनल में मलेशिया के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को पहले ही मैच में टेंग फोंग और वूई सोह ने 18-21, 15-21 से हरा दिया।

इस दौरान पहले गेम में भारतीय जोड़ी 18-15 से आगे चल रही थी पर इसके बाद मलेशियाई जोड़ी ने लगातार छह अंक हासिल कर मैच में 1-0 की बढ़त हासिल कर भारतीय टीम को सीधे गेमों में हरा दिया। वहीं महिला एकल मैच में पी वी सिंधु ने मलेशिया की गोह जिन वेई को 22-20, 21-17 से हराकर भारत को बराबरी पर ला दिया। वेई ने पहले गेम की शुरुआत में पिछड़ने के बाद सिंधु को कड़ी टक्कर दी पर अंत में भारतीय खिलाड़ी के सामने उसकी एक नहीं चली और मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा।

पुरुष एकल मैच में किदांबी श्रीकांत की हार से भारत फिर 1-2 से पीछे हो गया। श्रीकांत और एनजी ट्ज़ो योंग के बीच कड़ा मुकाबला हुआ पर तीन गेमों के बाद किदांबी को 21-19, 6-21, 21-16 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को कूंग ली परली और मुरलीधरन थिनाह से सीधे गेमों में 21-18, 21-17 से मिली हार के साथ ही मुकाबला भारत के हाथों से निकल गया और मलेशियाई टीम को 3-1 से जीत के साथ ही स्वर्ण पदक मिला।

राष्ट्रमंडल खेल - वेटलिफ्टर विकास ठाकुर ने जीत के बाद सिद्धू मूसेवाला के अंदाज में मनाया जश्न

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारोत्तोलक (वेटलिफ्टर) विकास ठाकुर राष्ट्रमंडल खेलों के लिए यहां तक की यात्रा में सिद्धू मूसेवाला के गीत सुनते हुए आए थे और प्रतिस्पर्धा के दौरान भी पंजाब के इस दिवंगत गायक के संगीत के बारे में सोच रहे थे। मूसेवाला की हत्या के बाद दो दिन तक भोजन नहीं करने वाले ठाकुर ने राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के बाद मूसेवाला के अंदाज में जांघ पर हाथ मारकर जश्न मनाया।

हिमाचल प्रदेश के राजपूत जाट समुदाय के ठाकुर ने कहा, 'पंजाबी थप्पी सिद्धू मूसेवाला को श्रद्धांजलि थी। उनकी हत्या के बाद दो दिन मैने खाना भी नहीं खाया था।' उन्होंने कहा, 'मैं उनसे कभी मिला नहीं लेकिन उनके गीत हमेशा मेरे साथ रहेंगे। यहां आने से पहले भी मैं वही सुन रहा था। मैं हमेशा उनका बड़ा प्रशंसक रहूंगा।'

राष्ट्रमंडल खेल: मुक्केबाज नीतू गंघास सेमीफाइनल में पहुंची, भारत का पदक पक्का

बर्मिंघम : भारतीय मुक्केबाज नीतू गंघास ने बुधवार को यहां महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर राष्ट्रमंडल खेलों में एक पदक पक्का कर दिया। दो बार की युवा स्वर्ण पदक विजेता नीतू (21 वर्ष) को क्वार्टरफाइनल के तीसरे और अंतिम राउंड में उत्तरी आयरलैंड की प्रतिद्वंद्वी निकोल क्लाइड के स्वेच्छा से रिटायर होने (एबीडी) के बाद विजेता घोषित किया गया। चार भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन, निकहत जरीन, आशीष कुमार और मोहम्मद हुसामुद्दीन दिन में अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले खेलेंगे।

रोहित कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने

पोर्ट ऑफ स्पेन । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। रोहिन ने इस मैच में एक छक्का लगाने के साथ ही कप्तान के तौर पर अपने 60 छक्के पूरे किये। इसी के साथ ही वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। इसके बाद उन्हें पीठ में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा। रोहित से पहले यह रिकॉर्ड पूर्व कप्तान विराट कोहली के नाम था। विराट ने टीम इंडिया की ओर से टी20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तान के तौर पर 59 छक्के लगाए हैं। रोहित ने अब तक टी20 क्रिकेट 131 मैच खेलते हुए 123 पारियों में 32.28 की औसत से 3454 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने चार शतक और 27 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। रोहित ने इस दौरान कुल 160 छक्के और 311 चौके भी लगाए हैं। वह वर्तमान समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। इसमें नंबर एक पर वेस्टइंडीज के बल्लेबाज क्रिस गेल का नाम दर्ज है। गेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 553 छक्के लगाए हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर पूर्व पाक कप्तान शाहिद अफरीदी का नाम आता है। अफरीदी ने 476 छक्के लगाये हैं।

सूर्यकुमार की शानदार पारी से भारतीय टीम ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराया

सेंट किट्स एवं नेविस। (एजेंसी)।

सूर्यकुमार यादव की आक्रामक पारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मेजबान वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम पांच मैचों की इस सीरीज में 2-1 से आगे हो गयी है। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान वेस्टइंडीज की टीम ने सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स के अर्धशतक 73 रनों की सहायता से पांच विकेट पर 164 रन बनाए। इसके बाद इस लक्ष्य को भारतीय टीम ने 19 ओवरों में ही तीन विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाकर हासिल कर लिया। मैच में सूर्यकुमार ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते हुए 44 गेंद में आठ चौके, चार छक्के लगाकर 76 रन बनाये। वहीं श्रेयस अय्यर ने 24 रन ही बनाये पर उनके और सूर्यकुमार के बीच दूसरे विकेट के लिए 85 रनों की अहम साझेदारी हुई। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 26 गेंद में 33 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले मेजबान टीम की पारी मायर्स और ब्रैंडन किंग ने शुरु की। किंग ने 20 रन बनाये उनकी मायर्स के साथ पहले विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई। कप्तान निकोलस पूरन ने 23 जबकि रोवमैन पावेल ने 23 रन बनाये। शिमरोन हेटमायर ने भी 20 रनों की उपयोगी पारी खेली। वहीं दूसरी ओर भारतीय टीम के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 35 रन देकर दो विकेट लिए। हार्दिक पांड्या ने भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर एक विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा 11 रन बनाने के बाद कमर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर चले गये। इसके आद सूर्यकुमार ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए जमकर स्ट्रोक्स खेले। उन्होंने ओबेद मैकॉय और अज्लारी जोसेफ की गेंद को मैदान के बाहर भेजा।

सूर्यकुमार ने छक्का लगाकर केवल 26 गेंद में ही अपना अर्धशतक पूरा किया। सूर्यकुमार को ड्रेक्स ने अपना शिकार बनाया। उनके आउट होने के बाद भारत को 30 गेंदों में 29 रन चाहिये थे। हार्दिक पांड्या छह रन बनाने के बाद होल्डर की गेंद पर आउट हो गये पर लौटे लेकिन ऋषभ और दीपक हुड्डा ने भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। हुड्डा 10 रन बनाकर नाबाद रहे।

एशिया कप की तैयारी में जुटा पाकिस्तान, बाबर आजम के नेतृत्व में 15 सदस्यीय टीम का हुआ ऐलान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

संयुक्त अरब अमीरात में खेले जाने वाले एशिया कप के लिए पाकिस्तान की टीम तैयारियों में जुट गई है। पाकिस्तान को अपना पहला मुकाबला भारत के खिलाफ 28 अगस्त को दुबई में खेलना है। इन सब के पीछे पाकिस्तान की ओर से 15 सदस्य टीम का भी ऐलान कर दिया गया है। कप्तान बाबर आजम के नेतृत्व में पाकिस्तान की यह 15 सदस्य टीम एशिया कप में उतरेगी। हालांकि, इस टीम में हसन अली को मौका नहीं दिया गया है। हसन अली टीम के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक थे। हालांकि, पिछले टी20 वर्ल्ड कप के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी खूब पिटाई हुई थी। हसन अली की जगह पाकिस्तान ने तेज गेंदबाज नसीम शाह को मौका दिया है।

पाकिस्तान की टीम में शाहीन शाह अफरीदी का भी नाम है। हालांकि, पिछले दिनों बाद चोट की वजह से श्रीलंका के खिलाफ मुकाबला नहीं खेल पाए थे। बावजूद इसके उन्हें टीम में रखा गया है।

एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम: बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, आसिफ अली, फखर जमान, हैदर अली, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी, शाहनवाज दहानी, उस्मान कादिरी

धनलक्ष्मी तीन साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली । डोपिंग जांच में पॉजिटिव पाये जाने के कारण भारतीय महिला एथलीट धनलक्ष्मी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। धनलक्ष्मी पर यह प्रतिबंध एथलेटिक्स इंटीग्रिटी इकाई (एआईयू) ने लगाया है। इसका कारण धनलक्ष्मी के दो मई को तुर्की में लिए नमूने में मेटांडियनोन (एनाबॉलिक एंड्रोजेनिक स्टेरॉयड) पाया जाना बताया जा रहा है। मेटांडियनोन विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) कोड के तहत प्रतिबंधित माना जाता है। धनलक्ष्मी का परीक्षण स्विट्जरलैंड के लुसाने में वाडा की मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में ही हुआ था। ऐसे मामलों के लिए निलंबन की अवधि चार साल की होती है पर धनलक्ष्मी ने डोपिंग अपराध और प्रतिबंध स्वीकार कर लिया था। इसके कारण उनकी सजा की अवधि में एक साल की कमी कर दी गयी। धनलक्ष्मी अब 11 जुलाई से तीन साल के लिये प्रतिबंधित रहेगी। इसके साथ ही एक मई 2022 के उनके सभी परिणामों को भी खारिज कर दिया गया है। एआईयू ने अपने एक बयान में कहा, '' इस एथलीट ने 19 जुलाई को डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन को स्वीकार कर स्वीकृति फॉर्म पर हस्ताक्षर किए जिससे उनकी सजा में एक साल की कटौती की गयी है।'' इस मामले में इस एथलीट के पास अब खेल पंचाट में अपील का ही विकल्प बचा है।

सूर्यकुमार कुमार आईसीसी टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे

दुबई। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ताजा जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग से दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 44 गेंद में 76 रन की अर्धशतकीय पारी खेलने वाले सूर्यकुमार (816) शीर्ष रैंकिंग पर काबिज बाबर आजम (818) से केवल दो रेटिंग अंक पीछे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस पारी से उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था। उनके अब 816 अंक हैं और पांच मैचों की श्रृंखला में वह 111 रन बना चुके हैं जिसमें भारत 2-1 से बढ़त बनाए है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स 16 पायदान के फायदे से 15वें स्थान पर पहुंच गये हैं जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सभी तीनों मैच में अर्धशतक जड़े थे।

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज ब्रैंडन किंग (29 पायदान के लाभ से 27वें स्थान पर), इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो (13 पायदान के फायदे से 31वें स्थान पर) और दक्षिण अफ्रीका के रिली रोसोऊ (संयुक्त 37वें स्थान पर) ने भी ऊपर की ओर कदम बढ़ाए। हेनरिच क्लासेन और भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (66वें स्थान) भी रैंकिंग में ऊपर की ओर बढ़े हैं। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में आठ विकेट चटकाने वाले दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर तबरेज शम्सी को टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में 19 रेटिंग अंक का फायदा मिला जिससे वह दूसरे स्थान पर पहुंच गए। शम्सी एक पायदान की बढ़त हासिल करने में सफल रहे लेकिन वह शीर्ष रैंकिंग पर काबिज जोश हेजलवुड (792 रेटिंग अंक) से 64 रेटिंग अंक पीछे हैं। वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन, इंग्लैंड के क्रिस जॉर्डन, न्यूजीलैंड के स्पिनर मिशेल सैंटनर और ईश सोढ़ी को भी फायदा मिला। वनडे रैंकिंग में भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन एक पायदान के लाभ से 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय गेंदबाज युजवेंद्र चहल (16वें) और शार्दुल ठाकुर (72वें) भी रैंकिंग में ऊपर की ओर बढ़े हैं।

सर्वाधिक गोल के मामले में लियोनेल मेसी का भी तोड़ रखा है रिकॉर्ड, जानिए भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान की उपलब्धियां और रिकॉर्ड

बासेटेरे (सेंट किट्स) (एजेंसी)।

भारतीय फुटबॉल टीम के स्टार खिलाड़ी सुनील छेत्री इंडियन सुपर लीग कि क्लब बेंगलुरु एफसी और भारतीय राष्ट्रीय टीम दोनों में कप्तान है। वह भारतीय फुटबॉल टीम के लिए अब तक सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों में से एक है। बता दें कि छेत्री के नाम 80 गोल हैं और वह क्रिस्टियानो रोनाल्डो से पीछे और लियोनेल मेसी से आगे पुरुष फुटबॉलरों के बीच दूसरे सबसे शानदार अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ियों में भी शामिल हैं। सुनील छेत्री का जन्म 3 अगस्त 1984 को आंध्र प्रदेश के सिकंदराबाद में हुआ था। उनके पिता केबी छेत्री भी अपने शुरूआती दिनों में फुटबॉल खेला करते थे जबकि मां सुशीला ने नेपाल की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए खेला। एक आर्मी के बेटे होने के नाते सुनील देश के कई हिस्सों में घूमे और कई बार स्कूल भी बदला। लेकिन इन सबके बीच एक चीज जो सुनील के लिए कभी नहीं बदला वो था उनका फुटबॉल खेल के प्रति उनका जुनून। अपने स्कूल के समय में छेत्री ने फुटबॉल खेल में शानदार प्रदर्शन किया। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन सुनील ने कभी भी फुटबॉल को एक पेशे के रूप में विचार नहीं किया था बल्कि वह फुटबॉल इसलिए खेलते थे ताकि उनका एडमिशन अच्छे कॉलेज में हो सकें और वह आगे की पढ़ाई अच्छे से कर सकें।

सुनील छेत्री के शानदार रिकॉर्ड

1-सुनील छेत्री ने रिकॉर्ड छह बार एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ पुरस्कार 1992 में शुरू हुआ और तब से छेत्री ने सबसे अधिक बार पुरस्कार जीता है।

2-सुनील छेत्री देश के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। ब्लू टाइगर्स के लिए छेत्री के पास 80 गोल के साथ 125 कैप हैं।

3-सुनील छेत्री को 13 नवंबर 2021 को राष्ट्रपति कोविंद द्वारा खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह एक ऐसा क्षण था जिसे भारतीय फुटबॉल प्रशंसक और छेत्री खुद जीवन भर याद रखेंगे।

4-सुनील छेत्री एकमात्र भारतीय फुटबॉलर हैं जो तीन अलग-अलग महाद्वीपों - उत्तरी अमेरिका, एशिया और यूरोप में खेले हैं।

5-छेत्री के नाम किसी भी भारतीय फुटबॉलर द्वारा सबसे अधिक हैट्रिक है और वह वियतनाम, चीनी ताइपै और ताजिकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ स्कोर करने में सफल रहे हैं।

यूपी में हर परिवार से एक सदस्य को रोजगार देगी सरकार : योगी

गोरखपुर, 03 जुलाई (एजेन्सी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में हर परिवार के कम से कम एक सदस्य को सरकार नौकरी या रोजगार से जोड़ना सुनिश्चित करने जा रही है। इसके लिए प्रदेश में सभी परिवारों के सभी सदस्यों की स्किल मैपिंग का अभियान शुरू होने जा रहा है। स्किल मैपिंग के बाद आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण देकर वंचित लोगों को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा।

सरकार का संकल्प है कि प्रदेश में कोई भी परिवार रोजगार से वंचित नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री योगी बुधवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित वृहद रोजगार मेला एवं सेवायोजित प्रशिक्षणार्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय आईटीआई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्किल मैपिंग के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि कितने परिवार में सदस्य नौकरी से जुड़े हैं या सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर रोजगार कर रहे हैं। इसमें जो भी वंचित मिलेंगे,, उनका डाटा तैयार किया जाएगा। एक बार डाटा आते ही बचे परिवारों को विशेष कार्यक्रम से जोड़कर कम से कम उनके एक सदस्य को नौकरी व रोजगार मुहैया कराया जाएगा।

कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में देश की बागडोर संभालने के बाद युवाओं, उद्यमियों, हस्तशिल्पियों व कारीगरों के ऊर्जा व हुनर को पहचान देने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए। स्किल इंडिया, स्टार्टअप, स्टैंडअप, मेक इन इंडिया, मुद्रा आदि योजनाओं के क्रियान्वयन से युवाओं को पहली बार लगा कि सरकार उनके बारे में भी सोचती है। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के साथ ही डबल इंजन की सरकार ने केंद्र व राज्य की रोजगारपरक योजनाओं को तेजी से बढ़ाया है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने बीते 5 साल में 5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। 1.61 करोड़ युवाओं को एमएसएमई व उद्यमों में रोजगार से जोड़ा गया है। योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार हरे क्षेत्र में तेजी से कार्य करते हुए सभी लोगों को आर्थिक स्वावलंबन का रास्ता दिखा रही है।

मुख्यमंत्री युवाओं की उम्मीद के मुताबिक सरकार ने ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी- 3 में 80 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतारे हैं। इससे 20 लाख लोगों की नौकरी की संभावना को आगे बढ़ाया गया है। इसी क्रम में पिछले दिनों एमएसएमई विभाग ने 1.90 लाख लोगों को बैंकों से जोड़कर उन्हें रोजगार हेतु ऋण दिलाया।

उन्होंने कहा कि युवाओं को कुछ नया करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नवाचार आज समय की मांग है। हमें क्षेत्र विशेष की आवश्यकता अनुसार जुड़ना होगा उसके अनुरूप कार्य योजना बनानी होगी। इस अवसर पर मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा बनाए गए ड्रोन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 20 किलो का यह ड्रोन 1 एकड़ खेत में 7 मिनट में दवाओं का छिड़काव कर सकता है। जबकि मैनुअली इस काम को करने में किसान को 1 दिन लग जाता है। उन्होंने कहा कि इस ड्रोन के लिए वह कृषि विभाग को इस प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के लिए निर्देशित करेंगे। इससे खेती के काम में आसानी होगी और युवाओं के हुनर को नई पहचान व रोजगार से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल के पास लगे टेराकोटा, प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ड्रोन स्टाल, श्रम विभाग, कौशल विकास विभाग आदि के स्टालों का अवलोकन भी किया। ये सभी स्टाल रोजगार और स्वरोजगार की जानकारी प्रदर्शित कर रहे थे। सीएम ने इन स्टालों को देख प्रसन्नता जताई।

सड़कों में अमरिका को पीछे छोड़ेगा भारत : नितिन गडकरी

'चलती गाड़ी से सैटेलाइट के जरिए होगी टोल वसूली'

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। देश में उपग्रह आधारित वाहन के नंबर प्लेट के माध्यम से टॉल वसूली की प्रक्रिया शुरू किये जाने की तैयारी हो रही है और वर्ष 2024 से पहले देश में 26 ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे शुरू कर दिये जायेंगे जिससे सड़क के मामले में भारत अमेरिका से पीछे नहीं रहेगा। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आज राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी देते हुये कहा कि अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से टॉल वसूली के सुधार की पूरी गुंजाइश है। इससे कोई व्यक्ति न तो टॉल की चारी कर सकता है और न ही कोई बच सकता है।

उन्होंने कहा कि अब तक टॉल नहीं देने पर सजा का प्रावधान नहीं है। इसके मद्देनजर इस नयी प्रौद्योगिकी को क्रियान्वित करने के लिए संसद में एक विधेयक लाने की प्रक्रिया जारी है। इसके बाद छह महीने के भीतर देश में यह व्यवस्था लागू करने की पूरी कोशिश की जा रही जिससे न तो टॉल बनाने की जरूरत होगी और न ही कोई व्यक्ति बगैर टॉल दिये जा सकेगा। इससे बचने की कोशिश करने वालों को सजा का प्रावधान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि वाहन निर्माताओं से वाहनों में जीपीआरएस की सुविधा देने के लिए कहा गया है ताकि इससे टॉल वूसली में आसानी होगी और लोगों को भी राहत मिलेगी।

अभी कोई व्यक्ति 10 किलोमीटर टॉल रोड का उपयोग करता है लेकिन उसे 75 किलोमीटर का टॉल चुकाना होता है लेकिन जीपीआरएस आधारित टॉल वसूली प्रक्रिया शुरू होने पर जहां से वाहन टॉल में प्रवेश करेगा और जब उससे उतरेगा वहीं तक का टॉल लगेगा। इससे उपभोक्ताओं को भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि देश में अभी 26 ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे बनाने का काम जोरशोर से जारी है। वर्ष 2024 तक देश में ये 26 ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे शुरू होने के बाद सड़क के मामले में भारत अमेरिका से पीछे नहीं रहेगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पास कोई वित्तीय संकट नहीं है। हर वर्ष देश में पांच लाख करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण की क्षमता है। बैंक सड़क निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। गडकरी ने कहा कि देश में वाहनों में टॉल वसूली के लिए फास्टैग लगाने के बावजूद इससे वसूली पूरी नहीं हो पा रही है। अभी प्रतिदिन इससे 120 करोड़ रुपये की ही वसूली हो पा रही है क्योंकि 97 प्रतिशत लोग इस फास्टैग का उपयोग कर रहे हैं लेकिन 67 प्रतिशत ही इसके माध्यम से टॉल चुका रहे हैं। शेष लोग नकदी में दोगुना टॉल चुका रहे हैं। इसमें क्या घालमेल है समझ नहीं आ रहा है।

सीएम योगी ने भंग की हिंदू युवा वाहिनी की सभी इकाइयां

गोरखपुर, 03 जुलाई (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदू युवा वाहिनी की सभी इकाइयों को भंग कर दिया है, जिसकी स्थापना उन्होंने 2002 में की थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर में यह घोषणा की। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री जल्द ही संगठन का पुनर्गठन करेंगे।

आदित्यनाथ ने 'हिन्दुत्व और राष्ट्रवाद' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2002 में राम नवमी पर हिंदू युवा वाहिनी (एचवाईवी) की स्थापना की थी।

बाद के वर्षों में, इसने उत्तर प्रदेश में उनके राजनीतिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मार्च 2017 में जब आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने, तो हिंदू युवा वाहिनी के सदस्यों का मानना था कि अब उनकी किस्मत भी चमक जाएगी। सत्ता में आने के एक साल से थोड़ा अधिक समय बाद, हिंदू युवा वाहिनी ने खुद को अभूतपूर्व मंथन में पाया था। बाद में, कुछ सदस्यों ने हिंदू युवा वाहिनी (भारत) नामक एक अलग समूह का शुभारंभ किया, जो भाजपा द्वारा समूह को कथित तौर पर दरकिनार करने के बाद असंतोष के बीच अस्तित्व में आया था।

आदित्यनाथ के पूर्व सहयोगी और हिंदू युवा वाहिनी (भारत) के अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा था कि समूह अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए विभिन्न राज्यों में कार्यालय खोलेगा। उन्होंने कहा था, '2017 के विधानसभा चुनावों के दौरान टिकट की मांग के लिए हम संगठन में किनारे कर दिए गए थे। महाराज

जी (आदित्यनाथ) के मुख्यमंत्री बनने के बाद, हमें उम्मीद थी कि एचवाईवी के संस्थापक सदस्यों को जिला और संभाग इकाइयों में महत्वपूर्ण पद दिए जाएंगे, लेकिन हमारी उम्मीदें जल्द ही धराशायी हो गईं।'

एलएसी के पास ऊंचाई पर सैन्य अभ्यास करेंगे भारत-अमेरिका

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। 14 से 31 अक्टूबर तक संयुक्त अभ्यास की योजना बनाई जा रही है, जिसके दौरान भारतीय और अमेरिकी सैनिक उच्च ऊंचाई वाले युद्ध के 'पूरे दायरे का फायदा उठाने के लिए युद्धाभ्यास' करेंगे।

चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच, मध्य क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से 100 किमी से भी कम दूरी पर उत्तराखंड के औली में दो सप्ताह के उच्च ऊंचाई वाले सैन्य अभ्यास के लिए भारत और अमेरिका एक साथ आएंगे।

भारत-अमेरिका संयुक्त अभ्यास को 'युद्ध अभ्यास' के नाम से जाना जाता है और यह इस साल का 15वां संस्करण होगा।

रक्षा और सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने कहा कि 14 से 31 अक्टूबर तक संयुक्त अभ्यास की योजना बनाई जा रही है, जहां दोनों बल उच्च ऊंचाई वाले युद्ध के पूर्ण दायरे का फायदा उठाने के लिए युद्धाभ्यास करेंगे।

सूत्रों ने यह भी कहा कि स्थान (10,000 फीट पर) जहां अभ्यास होगा, ऊंचाई के लिए अनुकूलन के चरण 1 में आता है।

सूत्रों के मुताबिक 'इस बार यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण अभ्यास है क्योंकि भारतीय पक्ष अपनी उच्च-ऊंचाई वाली युद्ध रणनीतियों का प्रदर्शन करेगा, जबकि अमेरिकी ऐसी कई तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे जिनका उपयोग ऐसे परिऑश्यों में किया जा सकता है। इस अभ्यास की योजनाइस तरह से बनाई गई है कि दोनों पक्ष किसी भी परिऑश्य के लिए एक साथ आएं।'

एक अन्य सूत्र ने कहा कि दोनों पक्षों के लिए दो सप्ताह के उच्च ऊंचाई वाले सैन्य अभ्यास का पूरी तरह से फायदा उठाने और यह देखने के लिए कि सैनिक एक साथ कैसे काम कर सकते हैं, विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई गई है।

भारत और चीन ने लद्दाख में गतिरोध के बाद पिछले दो वर्षों में एलएसी पर बढ़ते तनाव को देखा है। इस बीच, यूएस हाउस स्पीकर नैन्सीपेलोसी के ताइवान में मंगलवार को रुकने को लेकर भी अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ गया है।

अमेरिकी सेना पैसिफिक कमांडिंग जनरल चार्ल्स फ्लिन ने जून में कहा था कि चीन की सेना की पश्चिमी थिएटर कमान के तहत बुनियादी ढांचे का निर्माण - जो भारत की देखभाल करता है - आंख खोलने वाला और खतरनाक था। भारतीय और अमेरिकी सेना इसे एक साथ प्रशिक्षित करेगी। खासकर उच्च ऊंचाई वाले युद्ध के लिए अंत: क्रियाशीलता बढ़ाने के लिए वर्ष 9,000-10,000 फीट पर।

पत्रकारों के एक समूह के साथ बातचीत करते हुए, फ्लिन ने यह भी कहा कि एलएसी के साथ चीनी निर्माण और भूटान में गांवों का निर्माण आंख खोलने वाला था।

मोदी के 'हर घर तिरंगा' अभियान के जवाब में कांग्रेस ने नेहरू की तस्वीर को बनाई डीपी

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। आजादी के अमृत महोत्सव पर जब पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया के प्रोफाइल पिक्चर पर तिरंगा लगाया तो कांग्रेस ने इस अभियान के जवाब में अब एक नए अभियान की शुरूआत कर दी है।

कांग्रेस पार्टी 15 अगस्त से पहले हाथ में तिरंगा लिए जवाहर लाल नेहरू की तस्वीर को अपनी डीपी पर लगाने की शुरूआत कर दी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपनी प्रोफाइल पिक्च र को बदल कर जवाहर लाल नेहरू की तस्वीर लगाकर इसकी शुरूआत की है तो वहीं राहुल गांधी व प्रियंका गांधी सहित अन्य नेताओं ने भी अपनी डीपी बदल दी है।

जयराम रमेश ने संघ पर हमला बोलते हुए कहा, वर्ष 1929 के लाहौर अधिवेशन में रावी नदी के तट पर झंडा फहराते हुए पंडित नेहरू ने कहा था एक बार फिर आपको याद रखना है कि अब यह झंडा फहरा दिया गया है। जब तक एक भी हिंदुस्तानी मर्द, औरत, बच्चा जिंदा है, यह तिरंगा झुकना नहीं चाहिए। देशवासियों ने ऐसा ही किया।

हम हाथ में तिरंगा लिए अपने नेता नेहरू की डीपी लगा रहे हैं। लेकिन लगता है प्रधानमंत्री का संदेश उनके परिवार तक ही नहीं पहुंचा। जिन्होंने 52 सालों तक नागपुर में अपने हेड क्वार्टर में झंडा नहीं फहराया, वे क्या प्रधानमंत्री की बात मानेंगे?

दरअसल इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सभी देशवासियों से आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर दो अगस्त से लेकर 15 अगस्त के बीच अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर या तिरंगे को सोशल मीडिया प्रोफाइल में लगाकर हर घर तिरंगा अभियान को एक जन आंदोलन में बदलने का आह्वान किया था।

आजादी का अमृत महोत्सव भारत सरकार की एक पहल है, जिसके माध्यम से स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने पर देश वासियों को अपने लोगों संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाना है। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और समर्पण का अभियान है। जो संपूर्ण देश में 11 से 17 अगस्त के बीच मनाया जाएगा। मुख्य अभियान 13 से 15 अगस्त तक आयोजित होगा, जिसमें सभी नागरिक अपने-अपने घरों पर ध्वज फहराएंगे।

जम्मू-कश्मीर में 43 लाख रूपए की बिरयानी किसने खाई, एसीबी की जांच

श्रीनगर, 03 अगस्त (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर फुटबॉल एसोसिएशन (जेकेएफए) ने 43 लाख रुपये में बिरयानी खरीदी थी जिसे कभी किसी ने नहीं देखा और ना ही खाया। जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने अपनी जांच में इस बात का खुलासा किया है।

जेकेएफए के पदाधिकारियों द्वारा एक वित्तीय घोटाले का खुलासा करते हुए, एसीबी ने पाया है कि उसके रिकॉर्ड के अनुसार, एसोसिएशन ने युवाओं के लिए जलपान के रूप में एक स्थानीय भोजनालय 'मुगल दरबार' से 43 लाख रुपये की बिरयानी खरीदी, लेकिन जांच में बिल फर्जी पाया गया।

एसीबी के एक सूत्र ने कहा, किसी ने उस बिरयानी को कभी नहीं देखा या खाया, जिसके लिए एसोसिएशन ने मुगल दरबार को 43 लाख रुपये देने का दावा किया था। बिल फर्जी निकला।

सूत्र ने कहा, जन हार्डवेयर की दुकान बेमिना नाम की स्टेशनरी और हार्डवेयर की एक दुकान से 1,41,300 रुपये की रसीद दिखाई गई। जांचकर्ताओं ने पाया है कि दुकान कभी मौजूद ही नहीं थी।

एसीबी सूत्रों ने बताया कि जेकेएफए के अध्यक्ष जमीर ठाकुर, कोषाध्यक्ष, एसएस बंटी, मुख्य कार्यकारी फैयाज अहमद और एसए हमीद पर जालसाजी और आपराधिक साजिश से संबंधित आपराधिक कानून की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा और आरएसएस को हराने के लिए कांग्रेस पूरी तरह से एकजुट : राहुल

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेन्सी)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस में एकता और प्रेमभाव का सार्वजनिक प्रदर्शन करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने पार्टी के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया के 75वें जन्मदिन के मौके पर बुधवार को उनसे गले मिले और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं के बीच इस प्रकार के प्रेमभाव को देखकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी मुस्कुराए बिना नहीं रह सके।

शिवकुमार और सिद्धारमैया को अगले वर्ष अप्रैल-मई में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी के सत्ता में आने की सूरत में मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है और दोनों के समर्थक समय-समय पर उनकी दावेदारी का इजहार करते रहते हैं। राहुल गांधी ने कहा, आज मैं मंच पर सिद्धारमैया और डी. के. शिवकुमार को गले मिलते देखकर प्रसन्न था।'' गांधी ने कहा कि शिवकुमार ने कांग्रेस संगठन के लिए काफी काम किया है। गांधी ने एक प्रकार से चुनावी बिगुल बजाते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में भाजपा और आरएसएस को हराने के लिए पूरी तरह से एकजुट है।'' उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में आएगी तो वह निष्पक्ष और ईमानदार'' सरकार देगी, जो राज्य के भविष्य के लिए काम करेगी, न कि नफरत फैलाने का काम।

राज्य के तटीय इलाके में पिछले कुछ दिनों में कथित सांप्रदायिक बयानों के कारण हुई तीन हत्याओं का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा कि कर्नाटक में अतीत में ऐसी घटनाएं नहीं हुई हैं। गांधी ने कहा, जब हम अमेरिका में लोगों से पूछते हैं कि वे आज कर्नाटक के बारे में क्या सोचते हैं तो वे आपसे कहेंगे कि कर्नाटक में आज की तरह की हिंसा पहले कभी नहीं हुई।'' गांधी ने कहा, वे कहेंगे कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तो कर्नाटक में सौहार्द था।'' गांधी ने सिद्धारमैया को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, वे ऐसे इंसान हैं जो उम्र बढ़ने के साथ और युवा लगने लगे हैं।''

बूस्टर डोज के बाद भी कोरोना मेडिकल साइंस का फेलियर : बाबा रामदेव

हरिद्वार, 03 जुलाई (एजेन्सी)। योग गुरु बाबा रामदेव ने एक बार फिर कोरोना वैक्सीन पर विवादित बयान दिया है। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे कोरोना वैक्सीनेशन प्रोग्राम पर उंगली उठाते हुए बाबा ने कहा कि बूस्टर डोज लगने के बाद भी अगर किसी को कोरोना संक्रमण होता है तो यह मेडिकल साइंस का फेलियर है।

उन्होंने कहा कि समय के साथ ही अब दुनिया जड़ी-बूटियों की ओर लौटेगी। बाबा का कहना है कि गिलोय के ऊपर रिसर्च करें और दवाइयां बनाएं तो भारत विश्व में सबसे बड़ी इकोनॉमी बन सकता है। यह बात उन्होंने पतंजलि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहीं। आपको बता दें कि इससे पहले भी बाबा रामदेव ने कोविड वैक्सीन को सवालों के घेरे में खड़ा किया था।

कोविड से जंग के खिलाफ जब देश और दुनिया कोरोना वैक्सीन पर भरोसा कर रही थी, जब उन्होंने ऐलान किया था कि वह संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीन नहीं लगवाएंगे। योग और आयुर्वेद का डबल डोज को सुरक्षा कवच बताते हुए रामदेव ने वैक्सीन लगवाने से मना कर दिया था। उनका कहना था कि वह पिछले कई सालों से वह लगातार योग का अभ्यास कर रहे हैं जिससे उन्हें संक्रमण का खतरा नहीं है।

बाबा रामदेव ने दावा किया था कि उन्हें कोरोना वैक्सीन की कोई जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि वायरस के कितने भी वेरिएंट आ जाएं, उन्हें संक्रमण से कोई खतरा नहीं होने वाला है क्योंकि उन्हें योग संभाल लेगा। कोरोना को मात देने के लिए लोगों को अपनी-अपनी इम्युनिटी सिस्टम को मजबूत करना होगा ताकि संक्रमण से बचा जा सके। लेकिन, कुछ ही दिनों के बाद बाबा रामदेव बैकफुट पर आ गए थे और उन्होंने वैक्सीन लगवाने की बात कही थी।

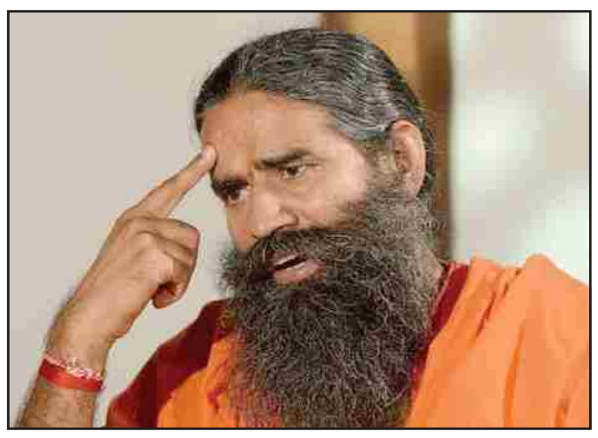

पारम्परिक भारतीय चिकित्सा का आधुनिकीकरण, लोक स्वास्थ्य एवं ओद्यौगिक परिप्रेक्ष्य विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पतंजलि विवि के कुलाधिपति बाबा रामदेव ने कहा कि प्रकृति से ही हमारी संस्कृति की पहचान होती है। इसी से हमें समृद्धि व स्वास्थ्य भी मिलता है।

आज करोड़ों लोगों ने अपनी गृह वाटिका में तुलसी, एलोवेरा व गिलोय को स्थान दिया है, इसमें पूज्य आचार्य का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि बुखार और रक्तचार लक्षण हैं। जिन कारणों से बुखार होता उन कारणों को गिलोय खत्म करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और चिकित्सा की नई दिशाएं भारत से तय होंगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com